Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री दुर्गा शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक माँ बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पताः- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 14, अंक 317 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, सोमवार 29 सितंबर 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

सुरक्षा बल के जवानों ने 3 नक्सलियों को किया ढेर, छिंदखड़क के जंगलों में जारी है मुठभेड़

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर छिंदखड़क के जंगल में जारी पुलिस-नक्सलियों मुठभेड़ में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है. जवानों ने 3 माओवादियों को ढेर कर दिया है. तीनों नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं. इस घटना की पुष्टि कांकेर एसपी आई. कल्याण एलिसेला ने की है. जानकारी के मुताबिक, आज सुबह के समय पुलिस बल सर्चिंग के लिए छिंदखड़क पहाड़ी-जंगल इलाके में निकली थी. इसी दौरान नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर मुठभेड़ शुरू हो गई. इलाके में अभी भी जवान नक्सलियों से लोहा ले रहे हैं. दोनों ओर से रुक-रुककर फायरिंग जारी है. फिलहाल मुठभेड़ में मारे गए माओवादियों की संख्या बढ़ने की संभावना है.

वर्ल्ड चैंपियन मैरी कॉम के घर में चोरी, सीसीटीवी फुटेज से हुआ खुलासा

फरीदाबाद। भारत की स्टार मुक्केबाज और छह बार की वर्ल्ड चैंपियन मैरी कॉम के फरीदाबाद स्थित घर पर चोरी का मामला सामने आया है। चोरी का मामला सामने आने के बाद से ही क्षेत्र में हडकंप मचा हुआ है। मैरी कॉम फरीदाबाद के सेक्टर 46 के मकान नंबर 300 में पिछले 3 साल से रह रही हैं। पड़ोसियों के मुताबिक पिछले दो सप्ताह से वह घर से बाहर हैं। जानकारी के मुताबिक वह मेघालय एक इवेंट में भाग लेने के लिए गई हुई है । चोरी की घटना 24 तारीख की सुबह हुई थी। पड़ोसियों को इसका पता तब चला, जब उन्होंने 26 तारीख को सीसीटीवी फुटेज देखी। सीसीटीवी फुटेज में साफ नजर आ रहा है कि 6-7 लोग मैरी कॉम के मकान में घुसे और वहां से सामान चोरी कर फरार हो गए । इसके बाद पड़ोसियों ने पुलिस और मैरी कॉम को इसकी सूचना दी ।

मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस विभाग के तमाम बड़े अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। इस दौरान क्राइम ब्रांच की टीम , फॉरेंसिक विभाग की टीम और स्थानीय पुलिस मौके पर मौजूद रही और मामले की जांच शुरू की । पुलिस अधिकारियों का दावा है कि जल्दी ही मामले को सुलझा लिया जाएगा और आरोपियों को पकड़ा जाएगा।

हालांकि यह पता नहीं चल पाया है कि घर से कौन-कौन सी वस्तुएं चोरी हुई हैं। पुलिस जांच कर रही है और मैरी कॉम के लौटने का इंतजार कर रही है। उनके आने के बाद ही पता चल सकेगा कि घर से कौन-कौन सी वस्तुएं चोरी की गई हैं।

जालंधर और अमृतसर में बनाए जाएंगे दो अल्ट्रा मॉडर्न स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स : मान

जालंधर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शनिवार को कहा कि जालंधर और अमृतसर में दो अल्ट्रा मॉडर्न स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाए जाएंगे। मान ने आज यहां पंजाब हॉकी लीग 2025 के फाइनल मैच के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह गर्व और संतुष्टि का विषय है कि पहली जूनियर हॉकी लीग पंजाब हॉकी और राउंड ग्लास अकादमी द्वारा शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि यह हॉकी के क्षेत्र में अब तक की सबसे अधिक इनामी राशि वाली लीग है। यह लीग मोहाली से शुरू हुई थी और इसके फाइनल मुकाबले जालंधर में खेले जा रहे हैं।

मैत्री महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री :उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया सम्मानित, आचार्य विद्यासागर कल्याण सेवा संस्था के लोगो का किया विमोचन

'उत्तम क्षमा, सबसे क्षमा और सबको क्षमा' में बड़प्पन और वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश - मुख्यमंत्री साय

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर में सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा आयोजित मैत्री महोत्सव में शामिल हुए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में पूज्य आर्यिकारत्न 105 अंतर्मति माताजी ससंघ के मंगल सान्निध्य में आयोजित गुरु शरणम् मैत्री महोत्सव क्षमादान उत्सव में विधायक श्री राजेश मूणत, जैन समाज के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने मंच पर पूज्य आर्यिकारत्न 105 अंतर्मति माताजी ससंघ को श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में जैन समाज की पारंपरिक पगड़ी और गमछा पहनाकर मुख्यमंत्री का सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया तथा आचार्य विद्यासागर कल्याण सेवा संस्था के लोगो का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मैत्री महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मिक जागृति और शुद्धिकरण का पावन अवसर है। भारत की पुण्यभूमि केवल सभ्यता और संस्कृति की जननी ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिकता की जीवंत प्रयोगशाला भी रही है। यहाँ धर्म केवल पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन जीने की कला है।

उन्होंने कहा कि भगवान महावीर स्वामी ने 'जियो और जीने दो' का संदेश दिया। हाल ही में मनाए गए क्षमादान पर्व का सार यही है कि 'उत्तम क्षमा, सबसे क्षमा और सबको क्षमा'—यही बड़प्पन है और यही वसुधैव कुटुम्बकम का वास्तविक संदेश है। जैन धर्म ने इस भावना को सबसे सुंदर और गहन रूप में प्रस्तुत किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन समाज परोपकारी समाज है और इसके सेवा भाव का लाभ छत्तीसगढ़ को निरंतर मिलता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांत के सिद्धांत समरस समाज की आधारशिला हैं। मैं पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के पावन स्मरण और पूज्य आर्यिकारत्न 105 अंतर्मति माताजी ससंघ के मंगल सान्निध्य में उन सभी संतों को नमन करता हूँ, जिन्होंने अपने संयम, तप और साधना से समाज को दिशा दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य श्री विद्यासागर जी का जीवन-दर्शन हम सबके लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने सिखाया कि सच्चा धर्म त्याग, सेवा और आत्मसंयम में है। यह छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है कि आचार्य जी ने अपने कठोर साधना के अनेक वर्ष यहाँ व्यतीत किए और चंद्रगिरी तीर्थ पर समाधि ली।

श्री साय ने कहा कि जैन धर्म के तीर्थंकरों के दिए आदर्श—अहिंसा परमो धर्मः, अनेकांतवाद, सत्य और संयम—केवल जैन समाज की धरोहर नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की आत्मा हैं। कार्यक्रम में सकल दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष श्री विनोद बड़जात्या ने आचार्य विद्यासागर कल्याण सेवा संस्था द्वारा संचालित आचार्य विद्यासागर कल्याण योजना की जानकारी दी और समाज के सभी लोगों से इस योजना से जुड़ने की अपील की।

ईडी कई क्रिकेटर्स और कलाकारों की संपत्तियों को अटैच करेगी, ऑनलाइन बेटिंग मामले में कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय जल्द ही कुछ खिलाड़ियों और अभिनेताओं की करोड़ों रुपये की संपत्तियां जब्त करने की तैयारी कर रहा है। केंद्रीय एजेंसी ये कार्रवाई धनशोधन निवारण कानून के तहत ऑनलाइन सट्टेबाजी और गेमिंग प्लेटफॉर्म 'वनएक्सबेट' से जुड़े मामले में कर रही है। एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती जांच में पता लगा है कि कई सेलिब्रिटी इस कंपनी से मिली फीस का इस्तेमाल कर रहे हैं। केंद्रीय एजेंसी के मुताबिक कानून के मुताबिक जिन संपत्तियों को अटैच किया जाएगा इसमें भारत के अलावा विदेश की भी कई संपत्तियां हैं। ईडी एंडोर्समेंट फीस के इस्तेमाल को कानून की नजर में 'आपराधिक आय' मान रही है।

अस्थायी अटैचमेंट आदेश जारी करेगी ईडी

एजेंसी की जांच में पाया गया है कि कई सेलिब्रिटी ऑनलाइन बेटिंग कंपनी से मिली एंडोर्समेंट फीस का इस्तेमाल कर संपत्तियां खरीद रहे हैं। इसे 'अपराध की आय' माना गया है। जो संपत्तियां ईडी की रडार पर हैं, इनमें भारत और विदेश (विशेषकर, श्व) में स्थित चल-अचल संपत्तियां शामिल हैं। फिलहाल ईडी संपत्तियों का मूल्यांकन कर रही है। जल्द ही अस्थायी अटैचमेंट आदेश जारी किया जाएगा। इस आदेश को [illegible] के प्राधिकरण के पास भेजकर जरूरी मंजूरी ली जाएगी। मंजूरी मिलते ही विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल कर इन संपत्तियों को स्थायी रूप से जब्त किया जाएगा। बता दें कि ईडी पिछले कुछ हफ्ते में कई नामी क्रिकेटरों और कलाकारों से पूछताछ कर चुकी है। इन दिग्गजों में पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर युवराज सिंह, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा, शिखर धवन, अभिनेता सोनू सूद, पूर्व तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद मिमी चक्रवर्ती और बंगाली अभिनेता अंकुश हजरा के नाम शामिल हैं। ऑनलाइन और सोशल मीडिया की दुनिया में सक्रिय कुछ इन्फ्लुएंसर्स भी ईडी की रडार पर हैं। ऑनलाइन बेटिंग मामले में इनसे भी पूछताछ हुई है। एजेंसी [illegible] की धारा 50 के तहत पूछताछ कर रही है। ईडी बैंक खातों और लेन-देन से जुड़े दस्तावेज भी खंगाल रही है।

प्रवर्तन निदेशालय तलाश रहा इन सवालों के जवाब

अभी तक हुई पूछताछ के दौरान एजेंसी ने जो सवाल किए हैं, उनमें प्रमुख हैं; ऑनलाइन बेटिंग कंपनी से इनसे कैसे संपर्क किया ? भुगतान किस माध्यम (हवाला या बैंकिंग चैनल) से हुआ ? भुगतान भारत में या विदेश में हुआ ? क्या आर्थिक लेन-देन के समय उन्हें पता था कि ऑनलाइन सट्टेबाजी भारत में अवैध है ? ईडी के अधिकारियों के मुताबिक ऑनलाइन बेटिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले प्लेटफॉर्म या कंपनी की तरफसे मिली एंडोर्समेंट फीस से अर्जित की गई संपत्ति अपराध की आय है।

पूर्व क्रिकेटर मिथुन मनहास बने बोर्ड के नए अध्यक्ष

देवजीत सैकिया सचिव, राजीव शुक्ला उपाध्यक्ष

मुंबई(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर और आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेल चुके पूर्व क्रिकेटर और अनुभवी बल्लेबाज मिथुन मनहास बीसीसीआई के नए अध्यक्ष चुने गए हैं। बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में इसका एलान हुआ।

मनहास का नाम हाल ही में नई दिल्ली में हुई बीसीसीआई की एक अनौपचारिक बैठक के बाद सामने आया था, जहां यह तय किया गया था कि उन्हें अध्यक्ष पद के लिए आगे बढ़ाया जाएगा। यह पद पिछले महीने रोजर बिन्नी के कार्यकाल समाप्त होने के बाद से खाली था। यह पहली बार है, जब जम्मू-कश्मीर से कोई खिलाड़ी इस पद के लिए चुना गया है।

एक ऐतिहासिक क्षण का जश्न

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने ट्वीट कर मिथुन मनहास को बधाई दी है। जितेंद्र सिंह ने लिखा, 'मिथुन मनहास को आधिकारिक तौर पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का नया अध्यक्ष घोषित किया गया है। जम्मू और कश्मीर के सबसे दूरदराज़ जिलों में से एक, डोडा के लिए यह दिन कितनी बड़ी उपलब्धि है, इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। यह जिला मेरी अपनी जन्मभूमि भी है। कुछ ही घंटों के अंदर दो बड़ी खबरें आई हैं। पहले किश्तवार की बेटी शीतल विश्व चैंपियन बनकर चमकती हैं, और उसके कुछ समय बाद मिथुन इस प्रतिष्ठित पद के लिए चुने जाते हैं।

45 साल के मिथुन मनहास भारतीय क्रिकेट में लंबे समय तक घरेलू क्रिकेट के स्टार रहे। मनहास घरेलू क्रिकेट में दिल्ली टीम के लिए खेले। उन्होंने 1997-98 से लेकर 2016-17 तक के लंबे करियर में 157 फर्स्ट क्लास, 130 लिस्ट ए और 91 टी20 मुकाबले खेले हैं। उनके नाम 9714 फर्स्ट क्लास रन दर्ज हैं।

'दिल-दिमाग पर बोझ..', करूर भगदड़ पर अभिनेता विजय की प्रतिक्रिया आई, पीएमओ ने किया मुआवजे का एलान

करूर (एजेंसी)। तमिलनाडु के करूर में अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी टीवीके की रैली में भगदड़ से 40 लोगों की मौत हुई है। साथ ही 90 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

इस बीच घटना के बाद करूर से तुरंत चेन्नई रवाना हुए विजय ने रविवार सुबह इस घटना पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस घटना पर गहरा दुख जताया। साथ ही कहा कि उनकी पार्टी और कार्यकर्ता सभी प्रियजनों को आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफसे घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों और घायलों के लिए मुआवजे का एलान किया गया है।

अभिनेता विजय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, करूर में कल जो कुछ हुआ, वह कल्पना से परे है। उसके बारे में सोचते ही मेरा दिल और दिमाग गहरे बोझ से दब जाते हैं। अपने प्रियजनों को खोने के असीम दुख के बीच, मेरे पास अपने हृदय की पीड़ा को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। मेरी आंखें और मन शोक से ढंके हुए हैं।

संघ की प्रार्थना में मंत्र का सामर्थ्य - डॉ. मोहन भागवत

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि संघ की प्रार्थना सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि सामूहिक संकल्प और भाव का प्रतीक है। 1939 से स्वयंसेवक रोज शाखा में इस प्रार्थना का उच्चारण कर रहे हैं। इतने वर्षों की साधना से इसमें मंत्र जैसी शक्ति आ चुकी है। यह केवल कहने की बात नहीं, बल्कि प्रत्यक्ष अनुभव का विषय है।

सरसंघचालक ने कहा कि संघ की प्रार्थना संपूर्ण हिन्दू समाज के ध्येय को व्यक्त करती है। इसमें पहला नमस्कार भारत माता को है, उसके बाद ईश्वर को। इसमें भारत माता से कुछ मांगा नहीं गया, बल्कि उनकी सेवा और राष्ट्र के वैभव की प्रतिज्ञा की गई है। मांगा गया है तो ईश्वर से शक्ति, भक्ति और समर्पण।

उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रार्थना केवल शब्दों और अर्थ का मेल नहीं है, बल्कि उससे भारत माता के प्रति प्रेम और भक्ति झलकती है। यही भाव इसे मंत्र का सामर्थ्य देता है।

मोहन भागवत ने बताया कि शाखा में छोटे-छोटे बाल और शिशु स्वयंसेवक भी प्रार्थना के समय ध्यान और अनुशासन से खड़े रहते हैं। भले ही उन्हें शब्दों का अर्थ न समझ में आए, लेकिन भाव का असर उन पर होता है। उन्होंने कहा, किसी भी शाखा में सबसे चंचल बाल स्वयंसेवक भी प्रार्थना के समय पूरी तन्मयता से खड़ा रहता है। यह भाव की शक्ति है, जिसके लिए किसी विद्वत्ता की जरूरत नहीं होती।

डॉ. भागवत ने कहा कि संघ का विश्वास है कि जब पूरा हिंदू समाज अपनी शक्ति का योगदान देगा, तभी भारत माता परम वैभव तक पहुंचेगी। इसके लिए पहले भाव, फिर अर्थ और उसके बाद शब्द की दिशा में बढ़ना होगा। लेकिन अगर गति तेज करनी है, तो शब्द से अर्थ और अर्थ से भाव की ओर भी जाना होगा।

उन्होंने कहा कि शब्द, अर्थ और भाव, ये तीनों का सामंजस्य संगीत में कम ही देखने को मिलता है। उन्होंने कहा, जब मैंने पहली बार यह ट्रैक सुना तो तुरंत

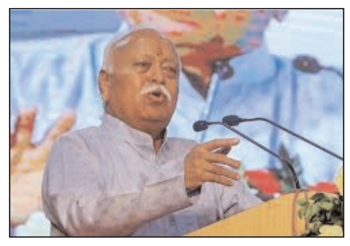

महसूस हुआ कि यह प्रार्थना को एक विशेष वातावरण में ले जाता है। उन्होंने बताया कि इसका निर्माण इंग्लैंड की भूमि पर हुआ, जो अपने आप में विशेष है।

इस अवसर पर हरीश भिमानी ने भावुक होकर कहा कि आज का दिन उनके लिए अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा, भारत माता सबसे महत्वपूर्ण देवी हैं, जिनका मंदिर कहीं नहीं है। यह कार्य मेरे लिए सिर्फ अनुष्ठान नहीं, बल्कि अर्ध्य है।

चुनाव आयोग का एलान

बिहार चुनाव और उपचुनाव में तैनात होंगे 320 आईएएस अफसरों समेत 470 केंद्रीय पर्यवेक्षक

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग (ईसीआई) ने बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव और कुछ राज्यों में उपचुनावों के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक (सामान्य, पुलिस और व्यय) तैनात करने का फैसला लिया है। आयोग ने विभिन्न राज्यों में सेवाएं दे रहे कुल 470 अधिकारियों को केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त करने का फैसला किया है। इनमें भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 320 अधिकारी, भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 60 अधिकारी और भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के 90 अधिकारी शामिल हैं। इसके अलावा, आईआरएएस, आईसीएएस जैसी सेवाओं से अधिकारी इसमें शामिल हैं।

आयोग के मुताबिक, ये सभी अधिकारी बिहार में होने वाले विधानसभा आम चुनाव और जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, झारखंड, तेलंगाना, पंजाब, मिजोरम और ओडिशा में होने वाले उपचुनावों के लिए नियुक्त किए जा रहे हैं।

चुनाव आयोग ने एक प्रेस नोट में बताया, बिहार विधानसभा चुनाव और कुछ राज्यों में उपचुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों (सामान्य, पुलिस और व्यय) की तैनाती होगी। आयोग संविधान के अनुच्छेद 324 और प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 20बी के तहत प्रदत्त शक्तियों के तहत निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव की निगरानी के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त करता है। पर्यवेक्षक नियुक्ति से लेकर चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक आयोग की देखरेख, नियंत्रण और अनुशासन में कार्य करते हैं।

'आयोग की आंख और कान होते हैं पर्यवेक्षक'

'पर्यवेक्षक यह सुनिश्चित करने की महत्वपूर्ण और गंभीर जिम्मेदारी निभाते हैं कि चुनाव निष्पक्ष, तटस्थ और विश्वसनीय हों, जो हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव है। वे आयोग की आंख और कान होते हैं और समय-समय पर रिपोर्ट देते रहते हैं। पर्यवेक्षक आयोग को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और समावेशी चुनाव कराने में मदद करते हैं और साथ ही मतदाताओं की जागरूकता और भागीदारी बढ़ाने में योगदान देते हैं।'

पर्यवेक्षकों का मुख्य उद्देश्य उन क्षेत्रों की पहचान कर ठोस सुझाव देना है जिनमें सुधार की जरूरत है। अपनी वरिष्ठता और प्रशासनिक सेवाओं के अनुभव के आधार पर सामान्य और पुलिस पर्यवेक्षक चुनाव के निष्पक्ष संचालन में आयोग की सहायता करते हैं और क्षेत्र स्तर पर चुनाव प्रक्रिया के प्रभावी प्रबंधन की निगरानी करते हैं। व्यय पर्यवेक्षक उम्मीदवारों के चुनाव खर्च की निगरानी करते हैं।

इन राज्यों में चुनाव के लिए तैनात होंगे पर्यवेक्षक

जारी प्रेस नोट में आगे कहा गया, चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव और जम्मू-कश्मीर (बडगाम एवं नगरोटा), राजस्थान (अन्ता), झारखंड (घाटसिला), तेलंगाना (जुबली हिल्स), पंजाब (तारण-तारन), मिजोरम (डम्पा) और ओडिशा (नुआपाड़ा) में होने वाले उपचुनावों के लिए विभिन्न राज्यों में तैनात 470 अधिकारियों (320 आईएएस, 60 आईपीएस और 90 आईआरएस/आईआरएएस/आईसीएएस आदि) को केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में तैनात करने का निर्णय लिया है।

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने रविवार को कहा कि ओडिशा की नुआपाड़ा विधानसभा सीट पर उपचुनाव आगामी बिहार चुनाव के साथ ही होने की संभावना है। नुआपाड़ा विधानसभा क्षेत्र मौजूदा विधायक राजेंद्र ढोलकिया के निधन के चलते खाली हुई है। ढोलकिया नुआपाड़ा सीट से चार बार विधायक रहे।

सोनम वांगचुक की पत्नी ने पाकिस्तान लिंक के आरोपों को किया खारिज

लेह(एजेंसी)। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने उनके खिलाफलगाए गए पाकिस्तान लिंक और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। उन्होंने वांगचुक पर हिंसा भड़काने के आरोप को गलत बताते हुए कहा कि वह हमेशा गांधीवादी तरीके से शांतिपूर्ण विरोध करते रहे हैं और 24 सितंबर को हिंसा सीआरपीएफके कदमों की वजह से भड़क उठी। सोनम वांगचुक को चार सितंबर को लद्दाख में छठी अनुसूची और स्टैट्हुड की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन के बाद एनएसए के तहत गिरफ्तार किया गया है। इस हिंसा में चार लोग मारे गए और 90 से अधिक घायल हुए थे। वांगचुक को राजस्थान के जोधपुर जेल में रखा गया है। गीतांजलि ने पीटीआई से फोन पर बातचीत में कहा कि गिरफ्तारी के बाद से उनसे संपर्क नहीं हो पाया है और अभी तक गिरफ्तारी आदेश की प्रति भी नहीं मिली है। वांगचुक की पाकिस्तान यात्रा पेशेवर और जलवायु परिवर्तन के विषय पर थी, न कि किसी संदिग्ध गतिविधि के लिए।

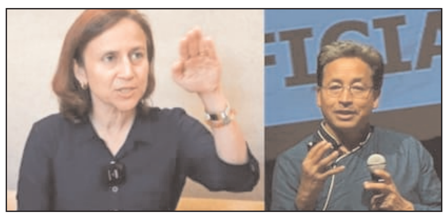

उन्होंने यह भी बताया कि वांगचुक और वे दोनों कई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेते रहे हैं, जिनमें संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन सम्मेलन भी शामिल है। उन्होंने पाकिस्तान में हुए 'Breathe Pakistan' सम्मेलन और आईसीआईएमओडी जैसे संगठनों के साथ सहयोग को भेदभावपूर्ण तरीके से पेश करने पर आपत्ति जताई। गीतांजलि ने एनएसए के तहत गिरफ्तारी को गलत बताया और कहा कि उनका पति शांति और अहिंसा का मार्ग अपनाते हुए सरकार से लद्दाख के लिए किए गए वादों को याद दिलाते रहे हैं। आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान हिंसा सीआरपीएफद्वारा आंसू गैस चलाने के बाद भड़क उठी, जबकि वांगचुक को गैर-शांतिपूर्ण गतिविधियों की कोई जानकारी नहीं थी।

वांगचुक के कथित अपमानजनक भाषण के आरोपों को भी उन्होंने गलत बताया और कहा कि उनके शब्दों को गलत संदर्भ में पेश किया गया है। साथ ही उन्होंने सवाल उठाया कि जो व्यक्ति भारतीय सेना के लिए शेल्टर बनाने और चीनी सामान के बहिष्कार की बात करता है, उसे कैसे देशद्रोही ठहराया जा सकता है।

वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों पर गीतांजलि ने अपने संस्थान हिमालयन इंस्टिट्यूट ऑफअल्टरनेटिव लर्निंग की विदेश से मिली फंडिंग की स्पष्ट सफाई दी और कहा कि यह दान नहीं बल्कि तकनीकी सेवाओं के लिए भुगतान है। कहा कि संस्था द्वारा छात्रों से कोई फीस नहीं ली जाती और संचालन के खर्चे नवाचारों के जरिए जुटाए जाते हैं।

सेवा पखवाड़ा रजत महोत्सव के अंतर्गत वरिष्ठजन सम्मान समारोह सम्पन्न

महासमुन्द(समय दर्शन)। सेवा पखवाड़ा रजत महोत्सव 2025 के तहत जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग महासमुन्द द्वारा= वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान हेतु लगातार विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में 27 सितम्बर को जिले की समस्त जनपद पंचायतों में सम्मान समारोह आयोजित किया गया था, जिसमें लगभग 365 वरिष्ठजनों को पेंशन स्वीकृति आदेश एवं आवश्यकतानुसार सहायक उपकरणों का वितरण किया गया।

इसी कड़ी में 28 सितम्बर 2025 को प्रात: 10 बजे समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित संस्था आसियाना वृद्धाश्रम, दलदली रोड, नयापारा, महासमुन्द में वरिष्ठजन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष निखिलकान्त साहू तथा विशिष्ट अतिथि देवीचंद राठी उपाध्यक्ष नगरपालिका महासमुन्द, महेन्द्र सिक्का, राहुल चंद्राकर, आनंद राम साहू (जिला उपाध्यक्ष जिला स्काउट संघ), पंकज चन्द्राकर, रितेश गोलछा (चार्टर्ड अकाउंटेंट), शरद राव एवं हिमांशु चंद्राकर रहे।

कार्यक्रम में कुल 118 वृद्धजन पंजीकृत हुए। वरिष्ठजनों के उत्साहवर्धन हेतु जलेबी दौड़, कुर्सी दौड़, गुब्बारा फोड़ जैसे खेल आयोजित किए गए। साथ ही राउत गीत, सुआ नृत्य, पंथी नृत्य एवं उड़िया नृत्य जैसी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महासमुन्द की अधिवक्ता श्रीमती रीना जैन ने माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण अधिनियम संबंधी जानकारी दी। कार्यक्रम के समापन पर अतिथियों ने वरिष्ठजनों को व्हीलचेयर, वॉकर, छड़ी प्रदान कर उनकी सुविधा सुनिश्चित की तथा शॉल, श्रीफल, साड़ी व कुर्ता-पाजामा देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि निखिलकान्त साहू ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। इनके अनुभव व मार्गदर्शन से ही हम नई पीढ़ी को सही दिशा दे सकते हैं। वरिष्ठजनों का सम्मान करना हम सबका दायित्व है और ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक प्रेरणा देते हैं। उक्त कार्यक्रम समाज कल्याण उप संचालक श्रीमती संगीता सिंह के मार्गदर्शन एवं डॉ. मनोज कुमार साहू, संचालक आसियाना वृद्धाश्रम महासमुन्द तथा समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों एवं वृद्धाश्रम स्टाफकी उपस्थिति में गरिमामय ढंग से सम्पन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

नव जागृति बाल समाज दशहरा उत्सव समिति परसाही मनाएगा दशहरा महोत्सव, सांसद विजय बघेल होंगे मुख्य अतिथि

पाटन (समय दर्शन)। नव जागृति बाल समाज दशहरा उत्सव समिति परसाही द्वारा 4 अक्टूबर शनिवार को दशहरा महोत्सव का आयोजन। किया गया है। इसी दिन रात्रि में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कार्यक्रम अनुराग धारा कविता वासनिक अपनी टीम के साथ प्रस्तुति देंगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल होंगे। अध्यक्षता जनपद अध्यक्षत कीर्ति नायक करेंगे। विशेष अतिथि उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा सहित जनपद सदस्य, सरपंच और भाजपा नेता उपस्थित रहेंगे। राम लीला का मंचन शाम 6 बजे से होगा। रात्रि 10 बजे से अनुराग धारा के कलाकार प्रस्तुति देंगे।

रानी बंछोर के नेतृत्व में पाटन मंडल ने सुनी मोदी की मन की बात, सोशल मीडिया प्रभारी विजय बंछोर रहे सक्रिय

पाटन (समय दर्शन)। पाटन मंडल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम का 126वाँ एपिसोड उत्साह और जोश के साथ सुना गया। मोदी ने इस अवसर पर वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी अपनाने का आह्वान करते हुए आत्मनिर्भर भारत की दिशा में जनसहभागिता पर बल दिया। पाटन मंडल अध्यक्ष श्रीमती रानी बंछोर जी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज की। सोशल मीडिया प्रभारी विजय बंछोर ने कहा कि मन की बात हमें स्वदेशी अपनाने और स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने का मार्ग दिखाती है। यह अभियान आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव है।

आशीबाई गोलछा विघालय ने निकाली स्वच्छता जन जागरूकता रैली

महासमुंद(समय दर्शन)। स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत आम के नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के लिए शासकीय आशीबाई गोलछा उच्च प्राथमिक विद्यालय महासमुंद के प्राचार्य जी आर सिन्हा के दिशानिर्देश एवं प्रधान पाठक जी .आर .साहू के मार्गदर्शन व गाइड प्रभारी लता वैष्णव के नेतृत्व में विद्यालयीन छात्र छात्राओं व बी एड प्रशिक्षु छात्राध्यापकों द्वारा जन जागरूकता स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया । रैली का शुभारंभ विद्यालय से प्रारंभ होकर स्वामी चौक, मेन रोड से होते हुए नगर के हृदय स्थल में विराजमान मां महामाया के मंदिर तक विभिन्न स्वच्छता संबंधित नारा, स्लोगन व निनाद करते विद्यार्थियों की टोली व शिक्षक स्टाफ पहुँच कर मां महामाया मंदिर के प्रांगण की साफसफाई पश्चात माता की आरती में शामिल हुए। सभी प्रसाद लेकर रैली के माध्यम से वापस विद्यालय पहुँचे । इस स्वच्छता रैली में बच्चों के उत्साहवर्धन के लिये पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती राशि त्रिभुवन महिलांग के साथ शाला के वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती चंचला गुप्ता,लता वैष्णव, आबिदा खान, तृप्ति साहू सहित बी एड के छात्र अध्यापक भी शामिल हुए। उक्ताशय की जानकारी गाइडर लता वैष्णव द्वारा दी गई ।

पाटन महाविद्यालय में उद्यमिता जागरूकता कार्यशाला आयोजित

पाटन (समय दर्शन)। शासकीय चंदूलाल चंद्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन में एकदिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों को उद्योग एवं स्वरोजगार हेतु प्रेरित करना, और आत्मनिर्भरता अपनाकर स्वयं और अन्य के लिए भी आजीविका का प्रबंध करना है। इस कार्यक्रम में जिला उद्योग केंद्र दुर्ग से विशेषज्ञ श्री शैलेंद्र कुमार सिंह (निदेशक, जिला उद्योग केंद्र दुर्ग) और श्री एस. ए. खान प्रेरक एवं मुख्य वक्ता उपस्थित हुए थे। इस कार्यक्रम में 90 विद्यार्थी उपस्थित हुए।

इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अपनाई गई आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सर्वप्रथम निदेशक श्री शैलेंद्र कुमार सिंह ने स्वरोजगार का महत्व बताया, तथा जिला उद्योग केंद्र से मिलने वाली सहायता, सलाह, सुझाव एवं सब्सिडी आदि पर विभिन्न प्रकार की जानकारी प्रदान की। इस हेतु ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन संबंधित पोर्टल पर करने की बात बताइ।

इसके पश्चात श्री एस. ए. खान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वरोजगार आज की आवश्यकता है। यह सभी प्रकार के लोगों के लिए उपलब्ध है, चाहे वह स्नातक हो इंजीनियर हो अथवा बिना पढ़ा-लिखा व्यक्ति हो। सभी को उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार स्वरोजगार अपनाने का विकल्प उपलब्ध है. स्वरोजगार से प्रारंभ में शुरुआती स्तर पर धीरे-धीरे व्यावसायिक गतिविधि बढ़ती है.

।इसके बाद उद्यमी की लगन, मेहनत और क्षमता से तीव्र गति से बढ़ती जाती है। आपने बताया कि छात्रों को उद्यमिता और स्वरोजगार हेतु प्रेरित करने के लिए कई उदाहरण प्रस्तुत किये। अत: सभी व्यक्तियों को अपने क्षेत्रीय वातावरण और स्थानीय मांग का अवलोकन एवं परीक्षण करके अपनी रुचि के अनुकूल व्यवसाय या स्वरोजगार प्रारंभ करना चाहिए।

सामुदायिक भवन निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

बालोद (समय दर्शन)। देवरी ब्लॉक के ग्राम तेलीटोला में सामुदायिक भवन निर्माण एवं अहिबरन नवागांव में सामुदायिक भवन संधारण निर्माण कार्यों का विधायक कुंवर सिंह निषाद भूमि पूजन किया। इस दौरान विधायक ने कहा कि समृद्ध गुंडरदेही विधानसभा बनाने का हमने जो संकल्प किया है, उसके लिए हम प्रतिबद्ध हैं। हमारे गुंडरदेही विधानसभा में भी शहरी क्षेत्रों की भांति अधोसंरचना विकास, शहरों का सौंदर्यीकरण, पक्की सड़कें, पुल-पुलिया, बिजली एवं स्वच्छ जल की आपूर्ति हो इसके लिए हम लगातार प्रयास कर रहें हैं। देवरी ब्लॉक के ग्राम तेलीटोला एवं अहिबरन नवागांव में इन विकास कार्यों से जनता को सुविधा मिलेगी साथ ही क्षेत्र का विकास भी सुनिश्चित होगा। हम गुंडरदेही विधानसभा को छत्तीसगढ़ का सबसे विकसित व जन सुविधाओं से युक्त विधानसभा बनाने निरंतर प्रयास कर रहें हैं और इस प्रयास में जनता का सुझाव व मार्गदर्शन हमें प्राप्त हो रहा है। आज जो यह विकास की सौगात मिली है उससे ग्राम वासियों में खुशी स्पष्ट दिखाई दे रही है। इस अवसर पर कोदूराम दिल्लीवार अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी देवरी, गिरीश चंद्राकर जी उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बालोद, भूपेश नायक जी जनपद सदस्य ,इंद्रमण देशमुख जी जोन प्रभारी ,खिलू कोठारी, मुकुंद रावटे, कमलेश सिन्हा एवं सरपंच, पंचगन सहित ग्रामवासी भारी संख्या में उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल वृक्षारोपण और सायकल वितरण कार्यक्रम में हुए शामिल

प्रभारी मंत्री बघेल ने मोहदा गांव में सी.सी. रोड निर्माण हेतु 10 लाख एवं साइकिल स्टैंड हेतु 10 लाख रुपये की घोषणा की

सरायपाली (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल आज महासमुंद जिले के सरायपाली क्षेत्र के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने सरायपाली विकासखंड के ग्राम मोहदा में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए । साथ ही उन्होंने स्कूली बच्चों को साइकिल वितरण भी किया। प्रभारी मंत्री बघेल ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहदा के स्कूल परिसर में पीपल का पेड़ लगाया, इसी क्रम में सांसद रुप कुमारी चौधरी ने अशोक का पेड़ और बसना विधायक संपत अग्रवाल ने जामुन का पेड़ लगाया।

इसके पश्चात मंत्री बघेल शासकीय माध्यमिक विद्यालय मोहदा में साइकिल वितरण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ के राजगीत से हुआ। तदुपरांत प्रभारी मंत्री बघेल ने इस अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण और शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह मातृ शक्ति के प्रति सम्मान का भी प्रतीक है। साइकिल वितरण को लेकर उन्होंने कहा कि यह बच्चों को स्कूल आने-जाने में सुविधा प्रदान करेगा और उनकी शिक्षा को प्रोत्साहन देगा। इसके पश्चात सेवा पखवाड़ा अंतर्गत हो रहे कार्यक्रमों की सराहना करते हुए आम जन से इस अभियान को सफल बनाने की अपील किए, साथ ही उक्त अभियान में रक्तदान में सहभागिता हेतु कहा ताकि जरूरतमंद लोगों की मदद हो सके। साथ ही उन्होंने आम नागरिकों से प्रधानमंत्री मोदी के जीएसटी बचत उत्सव और स्वदेशी को लेकर दिए गए संदेश को प्रचारित प्रसारित करने कहा ताकि लोकल फॉर वोकल की संकल्पना पूरी हो सके। इसके पश्चात मोहंदा गांव में कंक्रीट सड़क निर्माण हेतु 10 लाख रुपये घोषणा किए, साथ ही विद्यालय परिसर में साइकिल स्टैंड हेतु 10 लाख रुपये की घोषणा किए इस अवसर पर महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी ने ग्राम मोहदा में आयोजित एक पेड़ माँ के नाम और साइकिल वितरण कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गौरव का क्षण है कि वृक्षारोपण का यह पुनीत कार्य ग्राम मोहंदा में हो रहा है। साथ ही उन्होंने छात्राओं को निशुल्क साइकिल वितरण की बधाई देते हुए कहा कि हमारी सरकार में बच्चों के लिए स्कूली सामग्री से लेकर भोजन एवं आवागमन के लिए साइकिल का प्रबंध कर रही है, ताकि उनके सपनों को उड़ान मिले बसना विधायक संपत अग्रवाल ने जीएसटी पर हुई छूट पर केंद्र सरकार का धन्यवाद देते हुए कहा कि यह सराहनीय कदम है। इसके साथ ही सेवा पखवाड़ा अंतर्गत हो रहे कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए आम लोगों से इस अभियान के तहत हो रहे विविध कार्यक्रमों का लाभ लेने कहा।

चैतन्य देवियों की झाँकी आकर्षण का केन्द्र बनीं

बसना(समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा नवरात्रि के पावन अवसर पर बसना सेवाकेन्द्र में सजायी गई चैतन्य देवियों की झाँकी का महासमुंद लोकसभा सांसद रूपकुमारी चौधरी जी, राजेश भोई जी ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी और जमुना दीदी ने दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया। झाँकी का अवलोकन करते हुए रूप कुमारी चौधरी ने कहा कि यहाँआकर बहुत ही शान्ति की अनुभूति हुई। यह बहुत ही शान्त और शिक्षाप्रद जगह है । आध्यात्मिक जागृति का केन्द्र है। झाँकी में राजयोग साधनारत ब्रह्माकुमारी बहनें जब अपलक देवियों के रूप में विराजित होती हैं तो यह निर्णय करना मुश्किल हो जाता है कि यह सजीव हैं या जड़ मूर्तियाँ। यह बहुत ही आकर्षक और मनभावन है। इसे देखकर असीम आनन्द की प्राप्ति हुई।

पिछले जन्म के सुकर्मों का फल है जो उन्हें जागृत देवियों के दर्शन करने का सौभाग्य मिला।

बसना शाखा की संचालिका ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी ने बताया कि, यह चैतन्य देवियों की झांकी 1 अक्टूबर तक रहेगी ।

जवाहर नवोदयचयन परीक्षा हेतु अभ्यास परीक्षा का आयोजन

साँकरा(समय दर्शन)। प्राथमिक शाला मोहगांव में नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा हेतु अभ्यास परीक्षा का आयोजन किया गया।

पिथौरा विकासखण्ड के शासकीय प्राथमिक शाला मोहगांव में 28 सितम्बर दिन रविवार को जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2026 हेतु अभ्यास परीक्षा का आयोजन किया गया।

अभ्यास परीक्षा में प्राथमिक शाला रेमड़ा, दर्राभाठा, आइडियल पब्लिक स्कूल पाटसेन्द्री सहित आसपास के स्कूलों के 160 बच्चे सम्मिलित हुए।

अभ्यास परीक्षा के आयोजक शासकीय प्राथमिक शाला मोहगांव के प्रधान पाठक भोजराज प्रधान ने बताया कि , इस परीक्षा में मानसिक योग्यता के 40, अंकगणित के 20 और हिन्दी भाषा के 20 प्रश्न के साथ कुल 80 प्रश्न पूछे गए थे।

इस प्रकार के आयोजन से परीक्षा की तैयारी कर रहे बच्चों को अपनी तैयारी की जाँच करने और आगे अपनी कमियों को दूर करने का अवसर मिलता है।

अभ्यास परीक्षा में मिहिर पटेल ने 98.75 अंक के साथ प्रथम स्थान, कु. जिया पटेल 97.50, कु. प्रीति पटेल 97.50 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान, युवराज पटेल 96.75, देवेश साहू 96.75, कु. दीक्षा साहू 96.75, गजेंद्र सिदार 96.75, तुषारदास मानिकपुरी 96.75. जिग्नेश प्रधान 96.75 अंक पाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया । परीक्षा के सफल आयोजन में राजेश प्रधान प्रधान पाठक रेमड़ा, गौरीशंकर पण्डा, अनुज पटेल, हेमराज प्रधान, सुजीत प्रधान, सरोज भोई, प्रह्लाद प्रधान सहित पालकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दक्षिण पाटन के विभिन्न ग्रामों में मातारानी का आशीर्वाद लेने पहुंच रहे है कांग्रेसी नेता

रानीतराई (समय दर्शन)। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर ग्राम केसरा,भंसूली,तेलीगुंडरा,जरवाय में विभिन्न स्थानों में मां दुर्गा की मूर्ति स्थापित किया गया है।साथ ही शीतला मंदिरों, दंतेश्वरी मंदिर,काली माता मंदिर, साईं मंदिर, गायत्री मंदिर में आस्था के दीप प्रज्वलित किए गए है।

पंचमी के अवसर पर विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू पूर्व उपाध्यक्ष जिप दुर्ग,दिनेश साहू सदस्य जप,महेंद्र वर्मा अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस,राजेश ठाकुर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस,अजय सिंगौर,सोहन जोशी जोन प्रभारी,डा ईश्वर निषाद सरपंच,दिनेश साहू महामंत्री,डा नोहर साहू,डा के के साहू,तेजराम सिन्हा,सालिक साहू,आनंद बघेल ने सभी पंडालों में मातारानी के दरबार में पूजा अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख,समृद्धि,खुशहाली की मंगलकामना किए। इस अवसर पर महेश साहू,मनीष पटेल,उत्तम साहू,राजाराम साहू,दानी तारक,जगदीश देवांगन,भीम यादव,सुंदर साहू,रामचरण साहू,जनार्दन सेन,शिवकुमार साहू,सोमनाथ साहू,देवलाल पटेल,परमा साहू,मन्नू साहू,हरिनाथ सिन्हा,गुहा राम,कमलेश पटेल,सागर सिन्हा,नोमन्त, नंदकुमार,खेमलाल,राजू साहू भुवन पाल,टेकराम,शोभा सिन्हा,परमेश्वर,कुलेश्वर ठाकुर,समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

कृष्णा किड्स वर्ल्ड स्कूल, पाटन में नवरात्रि का त्यौहार बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया

पाटन (समय दर्शन)। कृष्णा किड्स वर्ल्ड स्कूल, पाटन में नवरात्रि का त्यौहार बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इसकी शुरुआत माता दुर्गा जी की आरती के साथ हुआ। दुर्गा पूजा बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव यह संस्कृति और सद्भाव का उत्सव हमारे विद्यालय में आज बच्चों को नवरात्रि पर्व की महत्व को साझा किया गया। एवं हमारे विद्यालय के सभी छात्रों को पंडाल भ्रमण हेतु आयोजन किया गया। उसने पाटन के न्यू बस स्टेशन एवं आत्मानंद चौक के पंडाल का दर्शन करवाया गया, इस दौरान बच्चों को कलात्मक पंडाल एवं देवी दुर्गा माता की सुंदर मूर्तियों एवं झांकियो पर विवरण देते हुए इनके महत्व को साझा किया गया। कि किस तरह माता जी महिषासुर का वध किया। और कैसे पौराणिक कथा के अनुसार ब्रह्मा, विष्णु और महेश ने मिलकर शक्ति का निर्माण किया।

अत: यह त्यौहार को देवी दुर्गा द्वारा राक्षस महिषासुर पर विजय की स्मृति में मनाया जाता है, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। पंडाल भ्रमण पश्चात शाला प्रांगण में पुन: आगमन के पश्चात विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें हमारे नन्हे बच्चों द्वारा मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दिया गया व हमारे विद्यालय के कक्षा छठवीं एवं सातवीं के छात्र-छात्रो द्वारा जस पचरा का कर्ण प्रिय गायन किया गया तथा इस कड़ी में विद्यालय के बच्चों द्वारा माता जी के स्वरूपों का वर्णन एवं माता के वेश में छात्रा सुसज्जित होकर ऐसा लगा मानो स्वयं माताएं स्वर्ग से धरती पर साक्षात दर्शन दे रही हो एवं विद्यालय के शिक्षकों द्वारा भी गरबा डांडिया का खेल भी मनमोहन रहा। इस प्रकार हमारे विद्यालय में यह त्यौहार बहुत ही उत्सव पूर्ण मनाया गया इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हमारे डायरेक्टर मैडम श्रीमती अनुपमा उपाध्याय एवं विद्यालय के प्रधान पाठक श्रीमान मयंक कटकवार एवं उप प्राचार्य श्रीमती यामिनी साहू के दिशा निर्देश में संभव हुआ इस कार्यक्रम में हमारे विद्यालय के सभी शिक्षक गण अपनी योगदान प्रदान किए एवं विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। जिसमे जितेंद्र साहू, राजकुमार साहू, देवेंद्र कुमार, खुशबू वर्मा, जीना साहू, श्री सोनी, लक्ष्मी यादव, इंदु देवांगन, दीप्ति लहरी, मनीषा वर्मा,सावित्री बघेल, प्रियंका वर्मा, राजेश्वरी, उपासना देवांगन, भूमिका वर्मा, वंदना कुर्रे,किरण वर्मा सभी उपस्थित रहे एवं अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का रजत जयंती समारोह:

न्यायपालिका की 25 वर्षों की गौरवशाली यात्रा

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती समारोह का आयोजन बिलासपुर में किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश जे.के. माहेश्वरी सहित कई विशिष्ट जनप्रतिनिधि और न्यायविद उपस्थित रहे।

संविधान का व्याख्याकार और नागरिक अधिकारों का प्रहरी: राज्यपाल डेका

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अपनी स्थापना से लेकर अब तक संविधान की रक्षा, नागरिक अधिकारों की सुरक्षा और न्यायिक मूल्यों को मजबूत किया है। उन्होंने लोक अदालतों और त्वरित न्याय की दिशा में हुई प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि न्याय आमजन तक सहजता से पहुँचे, यही लोकतांत्रिक व्यवस्था का सार है।

समय पर न्याय के लिए कटिबद्ध: मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य सरकार न्यायपालिका को मजबूत करने के लिए लगातार संसाधन और बजट उपलब्ध करा रही है। उन्होंने बताया कि हाल के वर्षों में विधि एवं विधायी विभाग के बजट में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। मुख्यमंत्री ने हाईकोर्ट की पारदर्शी और डिजिटल नवाचारों जैसे वर्चुअल कोर्ट और लाइव स्ट्रीमिंग को सराहनीय बताया।

जनविश्वास ही सर्वोच्च उद्देश्य: न्यायमूर्ति माहेश्वरी

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश जे.के. माहेश्वरी ने कहा कि आमजन का विश्वास प्राप्त करना न्यायपालिका का सर्वोच्च उद्देश्य है। उन्होंने आने वाले 25 वर्षों के लिए साझा विजन बनाने और अंतिम पायदान तक न्याय पहुँचाने पर जोर दिया।

स्मारिका विमोचन और अतिथियों का सम्मान

इस अवसर पर स्मारिका का विमोचन किया गया और अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। समारोह में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, विधि मंत्री गजेन्द्र यादव, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, वरिष्ठ न्यायाधीश, अधिवक्ता, विधायक और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

न्यायिक यात्रा की उपलब्धियाँ

पिछले 25 वर्षों में हाईकोर्ट ने न सिर्फ संवैधानिक और नागरिक अधिकारों पर ऐतिहासिक फैसले दिए, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, आदिवासी अधिकार और सुशासन जैसे मुद्दों पर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कई न्यायाधीश इस पीठ से आगे बढ़कर देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुँचे, जिससे छत्तीसगढ़ की न्यायिक पहचान और मजबूत हुई।

छत्तीसगढ़ के स्टील प्लांट में हुए हादसे में प्रबंधन के खिलाफकेस दर्ज

रायपुर। धरसींवा थाना क्षेत्र स्थित गोदावरी पावर एंड इस्पात लिमिटेड में हुए भीषण हादसे में प्रबंधन के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया गया है। शुक्रवार को प्लांट के पेलेट यूनिट में मशीन का भारी लोहे का ढांचा गिरने से मैनेजर सहित छह लोगों की मौत हो गई थी।

इस घटना में 12 से अधिक लोग मलबे में दब गए थे। पुलिस ने सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने पर लापरवाही की धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। सुबह सभी मृतकों को पोस्टमार्टम कर शव को स्वजनों को सौंप दिया गया।

जल्दबाजी में खुलवाया गया था प्लांट

हादसे को लेकर कर्मचारियों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके मुताबिक प्लांट को महज दो दिन पहले ही शटडाउन किया गया था। सामान्य स्थिति में शटडाउन के बाद कम से कम सात दिन तक ठंडा होने के बाद ही मशीनों से मटेरियल हटाया जाता है। लेकिन उत्पादन की जल्दबाजी में अधिकारियों ने सिर्फदो दिन में ही जांच और सफाई शुरू करा दी। इसी दौरान हाफर गिरा और मजदूरों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला।

जांच टीम पहुंची, रिपोर्ट तैयार होगी

श्रम और औद्योगिक स्वास्थ्य सुरक्षा विभाग की टीम शनिवार को घटनास्थल पहुंची। टीम ने हादसे की परिस्थितियों का जायजा लिया और सुरक्षा उपायों से संबंधित दस्तावेजों की पड़ताल की। विभाग ने कहा है कि विस्तृत जांच रिपोर्ट जल्द ही तैयार कर आगे की कार्रवाई तय होगी।

प्रबंधन ने कही स्वतंत्र जांच की बात

कंपनी प्रबंधन की ओर से इमेंद्र दान ने कहा कि घायलों का इलाज और मृतकों के परिजनों को सहायता प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कंपनी स्वतंत्र जांच कराएगी और सुरक्षा मानकों के पालन की पूरी समीक्षा की जाएगी। दान ने यह भी बताया कि हादसा प्लांट के उस हिस्से में हुआ जो विस्तार कार्य के अंतर्गत तैयार किया जा रहा था। सभी मजदूरों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए थे। इधर उनके बयान के इतर प्रारंभिक जांच में निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और संरचनात्मक कमजोरी पर सवाल उठे हैं।

सीएम साय ने सुनी 'मन की बात' कार्यक्रम की 126वीं कड़ी

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने शंकर नगर स्थित सिंधु पैलेस में प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम की 126वीं कड़ी का श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 'मन की बात' करोड़ों देशवासियों को जोड़ने, उन्हें प्रेरित करने तथा नवाचार और बेहतर कार्यों को सामने लाने का सशक्त माध्यम है।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह और स्वर कोकिला लता मंगेशकर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पुण्य स्मरण किया। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को शक्ति उपासना के पर्व नवरात्रि की शुभकामनाएँ भी दीं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शक्ति उपासना के इस पावन अवसर पर प्रधानमंत्री ने देश की दो बहादुर बेटियों, लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा की 'नाविका सागर परिक्रमा' का उल्लेख किया। दोनों अधिकारियों ने 47 हजार 500 किलोमीटर की समुद्री यात्रा 238 दिनों में पूरी की और दुनिया के सबसे सुदूर स्थान 'नीमो प्वाइंट' पर तिरंगा फहराकर देश का गौरव बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समय देशभर में 'जीएसटी बचत उत्सव' मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जीएसटी दरों में हुई कटौती से लोगों को दैनिक जरूरतों की वस्तुओं से लेकर वाहनों, कृषि उपकरणों और मशीनों तक में बड़ी राहत मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर भारत का आह्वान करते हैं और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम स्वदेशी वस्तुएँ खरीदते हैं, तो हम केवल सामान नहीं लेते, बल्कि एक परिवार की उम्मीद, एक कारीगर की मेहनत और एक उद्यमी के सपनों को सम्मान देते हैं। उन्होंने कहा कि खादी उत्पादों की लोकप्रियता पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ी है और हम सभी को खादी के वस्त्रों और उत्पादों का उपयोग करना चाहिए।

भाजपा जवाहर नगर मंडल ने सुनी पीएम मोदी की मन की बात

रायपुर। भाजपा जिला रायपुर के जवाहर नगर मंडल द्वारा रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 126वें एपिसोड का प्रसारण बूथ स्तर पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल हुए।

मंडल अध्यक्ष संदीप जंघेल ने बताया कि मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी सामाजिक, राष्ट्रीय और वैश्विक गतिविधियों पर अपने विचार साझा करते हैं। यह कार्यक्रम हर माह देशभर में बूथ स्तर तक प्रसारित किया जाता है।

पीएम मोदी का संबोधन– प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज के एपिसोड में कई विषयों पर देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा: खादी का महत्व: गांधी जयंती पर खादी को अपनाने की अपील करते हुए पीएम ने कहा, 2 अक्टूबर को आप सभी कोई न कोई खादी का सामान अवश्य खरीदें और गर्व से कहें कि यह स्वदेशी है।

छठ पूजा को वैश्विक पहचान: उन्होंने छठ महापर्व को दुनिया के मंच पर ले जाने की बात कही।

बेटियों की उपलब्धियां: नवरात्रि के अवसर पर पीएम ने शिक्षा, व्यापार और खेल के क्षेत्र में बेटियों की बढ़ती भूमिका पर गर्व व्यक्त किया।

कार्यक्रम का आयोजन– जवाहर नगर मंडल में बूथ क्र. 126, बूथ न.116 और बूथ न.121 पर कार्यक्रम रखा गया। इसमें विशेष रूप से तात्यापारा वार्ड की छाया पार्षद मनोज विश्वकर्मा, पूर्व पार्षद भारती बागल, प्रमोद विश्वकर्मा, महामंत्री रमेश शर्मा, गीता रेड्डी, नीलू तलमले, संतोष निहाल, सूरज शर्मा, बूथ सचिव ममता साहू, सुकल्या साहू, मुन्नी साहू, अविजित सिंह बागल, संतोष विश्वकर्मा समेत मोहल्ले के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

रायपुर में फिर पकड़ाया माओवादी, सोने के बिस्किट और नगदी बरामद

रायपुर। राजधानी रायपुर में सुरक्षाबलों को एक और बड़ी सफलता मिली है। स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (SIA) ने भाठागांव इलाके से माओवादी रामा किचाम को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से सोने के बिस्किट और नगदी रकम बरामद की गई है। गिरफ्तार माओवादी को एनआईए कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

तीन दिन पहले भी हुई थी गिरफ्तारी– गौरतलब है कि तीन दिन पहले ही रायपुर से माओवादी दंपती गिरफ्तार किए गए थे। वे फर्जी आधार कार्ड बनाकर किराए के मकान में छिपकर रह रहे थे। पुलिस ने उनके पास से डेढ़ लाख रुपये नकद और 10 ग्राम सोने का बिस्किट भी बरामद किया था।

लगातार जारी है पूछताछ– सुरक्षा एजेंसियां अब गिरफ्तार माओवादी रामा किचाम और हाल में पकड़े गए दंपती से पूछताछ कर रही हैं। आशंका है कि राजधानी में माओवादियों का अंडरग्राउंड नेटवर्क सक्रिय हो सकता है।

पीएम मोदी ने किया IIT भिलाई फेस-2 परियोजना का वर्चुअल शिलान्यास

रायपुर। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को झारसुगुड़ा (ओडिशा) में आयोजित कार्यक्रम के दौरान देश के आठ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में अधोसंरचना विकास कार्यों का वर्चुअल शिलान्यास किया। इनमें आईआईटी भिलाई के फेस-2 परियोजना भी शामिल है। अन्य सात संस्थानों में आईआईटी पटना, आईआईटी इंदौर, आईआईटी जोधपुर, आईआईटी तिरुपति, आईआईटी पलक्कड़, आईआईटी धारवाड़ और आईआईटी जम्मू सम्मिलित हैं।

इस अवसर का सीधा प्रसारण आईआईटी भिलाई परिसर के नालंदा व्याख्यान कक्ष में किया गया। समारोह में छत्तीसगढ़ के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और अहिवारा के विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा उपस्थित रहे।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा आठ आईआईटी परियोजनाओं का शिलान्यास होना पूरे देश और छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है। इससे प्रदेश में तकनीकी शिक्षा का विस्तार होगा और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आईआईटी भिलाई के फेस-2 निर्माण पूर्ण होने पर शोधार्थी छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

फेस-2 परियोजना : तकनीकी शिक्षा और नवाचार की नई दिशा

भारत सरकार ने 29 मई 2025 को फेस-2 निर्माण के लिए 2,257.55 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं, जिनमें से 1,092 करोड़ रुपये परिसर निर्माण पर व्यय होंगे। इस चरण में 1 लाख 51 हजार 343 वर्ग मीटर का अतिरिक्त क्षेत्र विकसित किया जाएगा, जिसमें नए इंजीनियरिंग और विज्ञान विभाग, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ, आईसीटी सक्षम व्याख्यान कक्ष और प्रोटोटाइप सुविधाएँ शामिल होंगी।

डोंट मिस अ बीट दिल की हर धड़कन का रखें ख्याल : अपोलो हॉस्पिटल्स

बिलासपुर। वर्ल्ड हार्ट डे 2025 के अवसर पर अपोलो हॉस्पिटल्स हर भारतीय से अपील कर रहा है—डोंट मिस अ बीट यानी दिल की हर धड़कन को सुरक्षित रखें और हृदय-हितकारी जीवनशैली को रोज़मर्रा की आदत बनाएं। कार्डियोवैस्कुलर डिजीज हर साल लाखों जानें लेती है, जबकि इन में से अधिकांश मौतें समय रहते पहचान, उपचार और जीवनशैली में बदलाव से रोकी जा सकती हैं। डोंट मिस अ बीट थीम के साथ, अपोलो व्यक्तियों, परिवारों, कार्यस्थलों और समुदायों से आग्रह करता है कि वे प्रिवेंशन-फर्स्ट हेल्थकेयर अपनाएं, देखभाल की खाइयों को पाटें और हर आयु-वर्ग में समय-समय पर स्क्रीनिंग कराएं। अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. प्रथाप सी. रेड्डी ने कहा: जब हमने अपोलो की स्थापना की थी, हमारा उद्देश्य साफ था—दिलों और जिंदगियों को बचाना और उम्मीद लौटाना। चार दशकों बाद विज्ञान साफ कहता है—लक्षणों का इंतजार करना, बहुत देर कर देना है। 'डोंट मिस अ बीट' हर भारतीय परिवार के लिए एक संदेश है—अपना ब्लड प्रेशर और जरूरी हेल्थ-नंबर जानें, अच्छी नींद लें, सक्रिय रहें और समय पर डॉक्टर से सलाह लें। कार्डियक केयर के अग्रदूत के रूप में, अपोलो भरोसेमंद चिकित्सकों और उन्नत डेटा-नियंत्रित टूल्स को साथ लाता है ताकि जोखिम समय रहते पकड़ा जाए और उपचार सटीक हो। अगर भारत ने प्रिवेंशन को रोज़मर्रा का अनुशासन बनाया, तो हम करोड़ों स्वस्थ वर्ष जोड़ पाएंगे और अनगिनत परिवारों को अनावश्यक पीड़ा से बचा सकेंगे—एक-एक धड़कन की हिफाज़त करते हुए। अपोलो की 'हेल्थ ऑफ द नेशन 2025' स्टडी इस जरूरत को और स्पष्ट करती है। चुपचाप बढ़ते खतरे—जैसे आर्टरी कैल्सिफिकेशन, फैटी लिवर और स्लीप एपनिया—बिना लक्षणों वाले लोगों में भी पाए जा रहे हैं। रजोनिवृत्ति के बाद महिलाओं में हृदय-रोग का जोखिम बढ़ जाता है, इसलिए उनके लिए विशेष रूप से सही जांच ज़रूरी है। विटामिन डी और बी12 की कमी तथा एनीमिया- ऊर्जा स्तर घटाते हैं, जिससे नियमित व्यायाम जारी रखना मुश्किल होता है। चिंताजनक रूप से, किशोरों की निशक्रीय-जीवनशैली (इनऐक्टिविटी) की वजह से उनका लचीलापन, ताकत और बैलेंस 25 वर्ष की उम्र के पहले ही प्रभावित हो रहे है—जो भविष्य में हृदय-रोग का आधार बन सकती है। 1983 से व्यापक कार्डियक केयर में अग्रदूत रहने वाले अपोलो हॉस्पिटल्स ने परिणामों और नवाचार, दोनों में मानक स्थापित किए हैं।

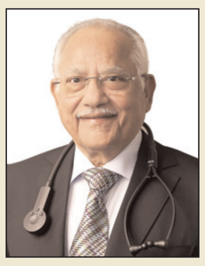

आईआरसीटीसी व फिक्की संग दो महत्वपूर्ण समझौते, टूरिज्म बोर्ड की नई वेबसाइट का लोकार्पण

पर्यटन मंत्री ने किया 'सेंट्रल इंडिया कनेक्ट मार्केट प्लेस' का शुभारंभ

रायपुर। विश्व पर्यटन दिवस पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड और छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में हॉस्पिटैलिटी पार्टनर माइरा रिसॉर्ट कन्वेंशन सेंटर रायपुर में सेंट्रल इंडिया कनेक्ट मार्केट प्लेस का आयोजन हुआ। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए राज्य की सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन संभावनाओं व योजनाओं पर प्रकाश डाला तथा छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की नई वेबसाइट का लोकार्पण किया गया।

इस अवसर पर पर्यटन विकास को गति देने के लिए दो महत्वपूर्ण समझौते किए गए। पहला समझौता छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड एवं आईआरसीटीसी के मध्य मुख्यमंत्री जन पर्यटन योजना टूर प्रारंभ करने के लिए किया गया। दूसरा समझौता छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड एवं फिक्की के बीच राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रोड शो तथा छत्तीसगढ़ ट्रैवल मार्ट आयोजन हेतु किया गया।

कार्यक्रम में मंत्री राजेश अग्रवाल ने पर्यटन क्षेत्र में योगदान देने वाले स्टेकहोल्डर्स को सम्मानित किया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री साय द्वारा पूर्व में कनेक्ट मार्केट प्लेस के पहले संस्करण में घोषित पर्यटन पुरस्कार योजना के अंतर्गत इस वर्ष 10 श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें होटल श्रेष्ठा को सर्वश्रेष्ठ होटल, रितेश मुंद्रा को सर्वश्रेष्ठ टूर ऑपरेटर, दन्तेवाड़ा को सर्वश्रेष्ठ जिला टूरिज्म प्रमोशन अवार्ड, जीत सिंह आर्या को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्टार्टअप, दण्डामी लग्जरी रिसॉर्ट को सीटीबी स्टार परफॉर्मर (सर्वश्रेष्ठ रिसॉर्ट), टी.आई.सी. एयरपोर्ट रायपुर को सीटीबी स्टार परफॉर्मर (पर्यटक सूचना केंद्र), भोरमदेव जंगल रिट्रीट को सर्वश्रेष्ठ होमस्टे, आकाश साहू (आकाश का सफर) को सर्वश्रेष्ठ सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर, गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले को सर्वश्रेष्ठ इको टूरिज्म साइट तथा 36 मोन्टाने एडवेंचर कैंपिंग के खेमलाल साहू को सर्वश्रेष्ठ एडवेंचर टूरिज्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पर्यटन व्यवसाय के अवसरों को बढ़ावा देना, नए नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना और राज्य के पर्यटन क्षेत्र को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ बिजनेस टू बिजनेस मार्केटप्लेस और नेटवर्किंग सत्र से हुआ, जिसमें विभिन्न राज्यों से आए टूर ऑपरेटर्स एवं प्रतिनिधियों ने अपना प्रजेन्टेशन दिया साथ ही अंतर्राष्ट्रीय डेस्टिनेशन पार्टनर संस्था फॉर एवर जर्नी दुबई तथा वेन्यू पार्टनर माइरा रिसॉर्ट एवं कन्वेंशन सेंटर रायपुर के प्रतिनिधियों ने भी अपना प्रजेन्टेशन दिया गया। इस दौरान पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव ने राज्य की पर्यटन नीतियों एवं अवसरों पर विस्तृत जानकारी दी। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने अपने उद्बोधन में आगामी आयोजनों और रोडमैप की जानकारी साझा की। छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष जसप्रीत भाटिया ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया एवं कार्यक्रम का समापन उद्बोधन छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने दिया। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। यह महत्वपूर्ण आयोजन न केवल छत्तीसगढ़ के पर्यटन क्षेत्र को नया आयाम देने का कार्य करेगा बल्कि राज्य को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर और अधिक सशक्त रूप से स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।

संपादकीय

फेंटेनाइल प्रीकर्सर की तस्करी

अमेरिका से कारोबारी रिश्तों को बेहतर बनाने के प्रयासों के बीच कुछ ऐसा हो गया है जो इस प्रयास में गंभीर अड़ंगा डाल सकता है। अमेरिका से एक बुरी खबर आई है जो कुछ भारतीयों की संदेहास्पद हरकतों पर रोशनी डालती है, जिससे रिश्तों में फिर खटास आ सकती है। कथित तौर पर इन लोगों में कुछ व्यावसायिक अधिकारी और कुछ बड़े कारपोरेट नेता शामिल हैं। मामला दर्दनाशक दवाओं के नाम पर ऐसे दवा अनुपूरकों (फेंटेनाइल प्रीकर्सर) की तस्करी से जुड़ा है जिसे अमेरिका में अक्षम्य अपराध माना जाता है क्योंकि अमेरिका की युवा पीढ़ी बड़े पैमाने पर इनका इस्तेमाल मादक पदार्थ के रूप में करती है। यह लत अमेरिका में राष्ट्रीय समस्या का रूप ले चुकी है। अमेरिका ने फेंटेनाइल प्रीकर्सर की तस्करी में कथित संलिप्तता के चलते कुछ भारतीय व्यावसायिक अधिकारियों और कारपोरेट नेताओं के वीजा रद्द कर दिए हैं और उन्हें आगे वीजा देने से इनकार कर दिया गया है। हालांकि उन कारोबारी नेताओं की पहचान उजागर नहीं की गई है जिनके वीजा रद्द कर दिए गए। इस मुद्दे पर नई दिल्ली की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। फेंटेनाइल प्रीकर्सर का आशय उन रसायनों से है जिनसे मादक पदार्थ बनाए जाते हैं। अमेरिकी दूतावास का कहना है कि जिन लोगों के वीजा रद्द किए गए हैं, वे और उनके परिजन हमेशा के लिए अमेरिका यात्रा के लिए अयोग्य करार दिए जा सकते हैं। अमेरिकी दूतावास के अनुसार, अमेरिका में फेंटेनाइल और इससे संबंधित उत्पादों को रोकना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम इस साझा चुनौती से निपटने में भारत सरकार में अपने समकक्षों के घनिष्ठ सहयोग के लिए आभारी हैं। साथ मिलकर काम करने से ही हमारी दोनों सरकारें इस अंतरराष्ट्रीय खतरे का समाधान कर पाएंगी और दोनों देशों के लोगों को अवैध नशीले पदाथरे से सुरक्षित रख पाएंगी। इसका आशय यह है कि सारा मामला भारत सरकार के संज्ञान में है। तब तो इस मामले में भारत की जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है। 2025 की एक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में भारत और चीन को मादक पदाथरे, उपकरणों और रसायनों की तस्करी का प्रमुख स्रेत कहा जा चुका है। रिपोर्ट के अनुसार फेंटेनाइल और अन्य सिंथेटिक ओपिओइड अमेरिका में तस्करी की जाने वाली घातक दवाएं हैं, जिनके कारण 2024 में 52,000 से अधिक मौत हो चुकी हैं।

देवी-शक्ति की उपासना का पर्व नवरात्र

डा. घनश्याम बादल

हिन्दू धर्म के सबसे बड़े पर्वों में से एक माने जाने वाले नवरात्र शुरू हो गए हैं। नौ दिन तक तन-मन की शुद्धि के लिए किए जाने वाले नवरात्र व्रत धार्मिक कर्मकांड मात्र नहीं हैं अपितु वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी रखते हैं, और प्रतीक रूप में गहरा संदेश देते हैं। नवरात्र का शाब्दिक अर्थ है नौ रातें और यह देवी-शक्ति की उपासना का पर्व है। यह पर्व वर्ष में दो बार चैत्र और शारदीय नवरात्रि मनाया जाता है। धार्मिक दृष्टि से यह शक्ति की आराधना और असुर शक्तियों पर विजय का प्रतीक है, परंतु यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि स्त्री-शक्ति, नैतिक मूल्यों और सामाजिक उत्थान का उत्सव भी है। आज के समय में जब समाज महिला असमानता, सामाजिक भेदभाव, पर्यावरण संकट, नैतिक पतन आदि अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है, तब नवरात्र हमें अवसर देते हैं कि इन समस्याओं पर सामूहिक रूप से विचार करें और समाधान खोजें। नवरात्र की कथा के अनुसार, दुर्गा देवी ने महिषासुर जैसे राक्षस का वध कर देवताओं और मानवता को अत्याचार से मुक्ति दिलाई। यह कथा इस बात का प्रतीक है कि जब अत्याचार अपनी सीमा पार कर लेते हैं, तो समाज में सकारात्मक शक्ति का उदय होता है। यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। चाहे सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष हो, अन्यायपूर्ण व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाना हो या व्यक्तिगत जीवन में नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय पाना। ये नौ देवियां धार्मिक प्रतिमाएं मात्र नहीं अपितु आधुनिक प्रतीक भी हैं। यदि इन्हें आधुनिक दृष्टि से देखें तो प्रत्येक देवी एक मानवीय मूल्य और सामाजिक आदर्श का प्रतीक है। एक नई दृष्टि के साथ इन देवियों के आधुनिक प्रतीको एवं अथरे पर दृष्टि डालते हैं। शैलपुत्री-पर्वतपुत्री शैलपुत्री धरती और प्रकृति से जुड़ाव की प्रेरणा देती हैं। आज जब पर्यावरण संकट बढ़ रहा है, यह देवी हमें बताती हैं कि हमें प्रकृति का सम्मान करना चाहिए और टिकाऊ जीवन शैली अपनानी चाहिए। देवी ब्रह्मचारिणी-तपस्या और अनुशासन की प्रतीक हैं, जो संदेश देती हैं कि शिक्षा, आत्मसंयम और स्पष्ट जीवन-दृष्टि से ही प्रगति संभव है। चंद्रघंटा-साहस और वीरता की देवी हैं, जो सिखाती हैं कि समाज में अन्याय, अपराध और शोषण के खिलाफ निडर होकर खड़ा होना चाहिए। कुष्मांडा-सृष्टि की रचयिता कुष्मांडा आधुनिक युग में रचनात्मकता, नवाचार और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक हैं। स्कंदमाता-मातृत्व और पालन-पोषण की प्रतीक हैं, जो हमें याद दिलाती हैं कि अगली पीढ़ी को अच्छे संस्कार देना हमारा कर्त्तव्य है। कात्यायनी-दमन और अन्याय के अंत की प्रतीक हैं, जो महिला सशक्तिकरण और न्यायपूर्ण समाज के लिए संघर्ष की प्रेरणा देती हैं। कालरात्रि-अंधकार का नाश करने वाली देवी कालरात्रि हमें अज्ञान, अंधविश्वास और कुरीतियों के विरु द्ध जागरूकता फैलाने का संदेश देती हैं। मां महागौरी-पवित्रता और शांति की प्रतीक हैं, और समाज में स्वच्छता, समानता और मानसिक शांति का आदर्श प्रस्तुत करती हैं। सिद्धिदात्री जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है ज्ञान, उपलब्धि और परिपूर्णता की प्रतीक देवी हैं, जो प्रेरित करती हैं कि हम कौशल और ज्ञान से आत्मनिर्भर और समर्थ बनें। इन नौ देवियों को यदि हम नौ सामाजिक स्तंभ मानें तो नवरात्रि हमें आत्म सुधार और समाज सुधार की एक पूरी रूपरेखा प्रदान करती है। सामाजिक सुधार की दृष्टि से भी नवरात्र का महत्त्व कम नहीं है। नवरात्रि का मूल ही स्त्री-शक्ति की उपासना है। नवरात्र में हम संकल्प लें कि बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। महिला उत्पीड़न, दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा जैसी समस्याओं के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाना है, यह संकल्प ही इस पर्व को सार्थक बना सकता है। नवरात्रि आत्म शुद्धि का समय है। अवसर है कि हम अंधविश्वास, जातिवाद, छुआछूत, नशाखोरी और सामाजिक भेदभाव जैसी बुराइयों को समाप्त करने की प्रतिज्ञा लें।

यूरोपीय देशों के समर्थन से फिलिस्तीन को क्या मिला

राजेश कुमार पासी

ऐसा लग रहा है कि यूरोपीय देशों में फिलिस्तीन को मान्यता देने की होड़ लग गई है. एक-एक करके कई देशों ने फिलिस्तीन को मान्यता दे दी है । कुछ दिनों के अंदर ही कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, पुर्तगाल, ऑस्ट्रेलिया, मोनाको, माल्टा,लक्जमबर्ग और बेल्जियम ने फिलिस्तीन को एक देश के रूप में मान्यता दे दी है। जहां इसका फिलिस्तीन अधिकारियों द्वारा स्वागत किया जा रहा है तो इजराइल ने इसका जबरदस्त विरोध किया है। लगभग 150 देशों ने फिलिस्तीन को एक देश के रूप में मान्यता दे दी है। यूरोपीय देशों पर अमेरिका का जबरदस्त दबाव था कि वो ऐसा कदम न उठाएं लेकिन अमेरिका के दबाव को दरकिनार करते हुए इन देशों से फिलिस्तीन को मान्यता दी है। सवाल यह है कि जब 140 देशों ने फिलिस्तीन को पहले ही मान्यता दे रखी थी तो अब इन देशों द्वारा मान्यता मिलने से क्या होने वाला है । अगर अमेरिका फिलिस्तीन को मान्यता नहीं देता है तो फिलिस्तीन को कोई फायदा होने वाला नहीं है । अमेरिकी विरोध के कारण उसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा पूर्ण देश का दर्जा नहीं मिलेगा। अमेरिका का दोगलापन इस बात से समझा जा सकता है कि उसने सीरिया के राष्ट्रपति जुलानी को अमेरिका का वीजा दे दिया जबकि वो एक खतरनाक वांछित आतंकवादी रह चुका है जिस पर अमेरिका ने ही दस मिलियन डॉलर का इनाम रखा हुआ था । दूसरी तरफ फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास को अमेरिका ने वीजा देने से मना कर दिया है जबकि उनके ऊपर किसी भी आतंकवादी कार्यवाही में भाग लेने का आरोप नहीं है । सवाल उन देशों से भी है, जो फिलिस्तीन को मान्यता दे रहे हैं जबकि कई ऐसे देश हैं जो अभी भी मान्यता देने के लिए गुहार लगा रहे हैं । अफ्रीकन यूनियन के दबाव के कारण सोमालीलैंड को ज्यादातर देशों ने मान्यता नहीं दी है । चीन की ताकत को देखते हुए दुनिया के लगभग सारे देश वन चाइना नीति को मान्यता देते हैं, इसलिए ताइवान को कोई भी मान्यता देने को तैयार नहीं है । कोसोवो को सिर्फ सौ देशों ने ही मान्यता दी है । सवाल यह है कि जो यूरोपीय देश अभी तक अमेरिकी दबाव के कारण फिलिस्तीन को मान्यता नहीं दे रहे थे, वो अब मान्यता क्यों दे रहे हैं । इसकी कई वजह हैं, डोनाल्ड ट्रंप के कारण यूरोपीय देश अमेरिका से टकराव के मूड में हैं । ट्रंप टैरिफ के नाम पर यूरोपीय देशों को धमका चुके हैं और दबाव डालकर यूरोपियन यूनियन से ट्रेड डील पर साइन करवा लिए हैं । यूरोपीय देश अरब देशों सहित अन्य मुस्लिम देशों से संबंध सुधारना चाहते हैं । कई यूरोपीय देशों में वामपंथी विचारधारा से प्रेरित दलों की सरकार चल रही है जो फिलिस्तीन के हमदर्द हैं । यूरोपीय देशों में मुस्लिमों की आबादी बढ़ती जा रही है. उनको खुश करने के चक्कर में भी यह कदम उठाया जा रहा है । यूरोपीय देश क्या सोचते हैं, ये उनकी समझ हो सकती है लेकिन इससे फायदा होने की जगह नुकसान होने का ज्यादा अंदेशा है । उनके इस कदम

से कट्टरपंथियों का हौसला बढ़ने वाला है । इसकी बड़ी कीमत यूरोपीय देशों को चुकानी होगी । ऐसा नहीं है कि फिलिस्तीन को मान्यता देना गलत है लेकिन उनकी मंशा अच्छी नहीं है । गलत मंशा से उठाया गया सही कदम भी नुकसान पहुंचाता है । कट्टरपंथी इसे अपनी जीत मानकर इन देशों पर इजराइल से रिश्ते तोड़ने का दबाव बनाएंगे जिसको मानना इतना आसान नहीं होगा ।

यूरोपीय देशों में इजराइल के विरोध में हिंसक प्रदर्शन नए सिरे से शुरू हो सकते हैं । उनके लिए फिलिस्तीन कोई मुद्दा है ही नहीं, उनका असली मुद्दा कट्टरपंथ बढ़ाना है । इटली में फिलिस्तीन के समर्थन में मुस्लिम कट्टरपंथियों ने हिंसक प्रदर्शन किया है । प्रदर्शनकारियों ने सरकारी और निजी संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाया है । सवाल यह है कि फिलिस्तीन के समर्थन में ये लोग उन देशों को नुकसान क्यों पहुंचा रहे हैं, जो इन्हें अपना नागरिक मानते हैं । जो लोग फिलिस्तीन के समर्थन में रैलियां निकाल रहे हैं, उन्हें फिलिस्तीनी राष्ट्रपति अब्बास की बात भी सुननी चाहिए । अब्बास ने कहा है कि 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमास का हमला एक घिनौनी आतंकवादी हरकत थी । उनका कहना है कि उन आतंकवादियों का गाजा पर कोई अधिकार नहीं है । जो लोग आज फिलिस्तीन का समर्थन कर रहे हैं, वही लोग हमास का भी समर्थन कर रहे थे । कतर ने हमास के नेताओं को अपने देश में शरण दे रखी है, वो लोग वहां रहकर ही इजराइल में आतंकवादी गतिविधियां चला रहे हैं । जो लोग यूरोपीय देशों में रैलियां निकालकर फिलिस्तीन को मान्यता देने की मांग कर रहे हैं, वो लोग क्या हमास को आतंकवादी संगठन मानने को तैयार हैं । इन लोगों ने क्या कभी हमास के आतंकवादी हमले के विरोध में रैली निकाली है । वास्तव में फिलिस्तीन के नाम पर यूरोपीय देशों में कुछ संगठन इस्लामिक वर्चस्व कायम करना चाहते हैं ।

मान्यता देने वाले देशों का कहना है कि इजराइल-फिलिस्तीन समस्या का समाधान द्वि-राष्ट्र सिद्धांत हैं लेकिन सवाल यह है कि इस सिद्धांत को तो इजराइल के गठन के समय भी माना गया था । तब ज्यादातर मुस्लिम देशों ने इस सिद्धांत को मानने से इंकार कर दिया था क्योंकि उनका कहना था कि इजराइल दुनिया में होना ही नहीं चाहिए । तब उनका कहना था कि फिलिस्तीन पर सिर्फ फिलिस्तीनियों का हक है । 1948 में इजराइल बनने के दूसरे ही दिन उसको समाप्त करने के लिए पांच अरब देशों ने इजराइल पर हमला कर दिया था । द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन और फ्रांस ने फिलिस्तीन को दो देशों में विभाजित करके इजराइल को एक नया देश बनाया था । इजराइल के हिस्से 56 प्रतिशत और फिलिस्तीन के हिस्से में 44 प्रतिशत भूमि आई थी । 1948 के युद्ध के बाद इजराइल ने फिलिस्तीन के लगभग 20 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर लिया । देखा जाये तो द्वि-राष्ट्र सिद्धांत की अवहेलना पहले अरब देशों द्वारा ही की गई थी । फिलिस्तीन को अपनी जमीन इसलिए गवांनी पड़ी क्योंकि अरब देशों ने द्वि-राष्ट्र सिद्धांत को नकार कर इजराइल को खत्म करने की कोशिश की थी । सवाल यह है कि अगर इजराइल युद्ध हार जाता तो क्या आज इजराइल का अस्तित्व होता । इसके बाद 1967 में तीन अरब देशों ने फिर इजराइल पर हमला कर दिया और उन्हें मुंह की खानी पड़ी । इसके बाद इजराइल ने फिर फिलिस्तीन की कुछ भूमि अपने कब्जे में ले ली । भारत ने पाकिस्तान की कब्जा की गई भूमि वापिस की लेकिन सवाल यह है कि अगर पाकिस्तान भारत की भूमि पर कब्जा करने में कामयाब हो जाता तो क्या वो कब्जा की गई भूमि वापिस करता । पाकिस्तान कभी ऐसा नहीं करता क्योंकि उसे अमेरिका का समर्थन हासिल था । इजराइल के साथ ऐसा नहीं था. जब उसने फिलिस्तीन की भूमि कब्जा की तो उसने वापिस नहीं की क्योंकि अमेरिका उसके पीछे खड़ा था और आज भी खड़ा है। जब तक अमेरिका और इजराइल फिलिस्तीन को मान्यता नहीं देते, कुछ होने वाला नहीं है। अमेरिका भी अगर फिलिस्तीन का समर्थन कर देता है तो भी इजराइल नहीं मानने वाला क्योंकि वो अमेरिका की बात एक सीमा तक सुनता है और फिर अपनी मर्जी चलाता है।

इजराइल ने स्पष्ट रूप से कह दिया है कि अब फिलिस्तीन नाम का कोई देश नहीं बचा है । इसकी वजह यह है कि वेस्ट बैंक पर इजराइल का पूरा नियंत्रण है और गाजा को वो पूरी तरह से अपने कब्जे में लेने की तैयारी कर चुका है । देखा जाए तो जमीन पर फिलिस्तीन कहीं दिखाई नहीं देता है । ऐसा करने का मौका फिलिस्तीन समर्थक मुस्लिम देशों ने ही इजराइल को दिया है । इजराइल ने द्वि-राष्ट्र सिद्धांत को स्वीकार कर लिया था और वो अपने विकास में लग गया था लेकिन उसे समाप्त करने की मुस्लिम देशों की जिद ने हालात बिगाड़ दिए । आज वही देश द्वि-राष्ट्र सिद्धांत अपनाने की बात करते हैं । जिस राष्ट्र को इजराइल लगभग निगल चुका है, वो अब कैसे अस्तित्व में आएगा । फिलिस्तीनी इजराइल को दुनिया से खत्म कर देना चाहते हैं और इस काम में वो लगातार लगे हुए हैं । आतंकवाद को हथियार बनाकर वो इजराइल को समाप्त करने की कोशिश में लगे हुए हैं और कई मुस्लिम देश इसमें उनकी मदद कर रहे हैं । इजराइल अपनी ताकत से इनके खिलाफ लड़ रहा है । इजराइल जानता है कि दुनिया उस पर रहम करने वाली नहीं है, उसे अपनी ताकत से ही जिंदा रहना होगा। भारत ने द्वि-राष्ट्र सिद्धांत स्वीकार कर लिया लेकिन क्या पाकिस्तान ने इसे स्वीकार किया । पाकिस्तान ने इसे कभी नहीं स्वीकार किया. वो अस्तित्व में आने के बाद से ही भारत पर कब्जा करने की फिराक में है । अपनी इस कोशिश में ही वो भारत से चार युद्ध लड़ चुका है । जब उसने देखा कि वो भारत से युद्ध में जीत नहीं सकता तो उसने आतंकवाद को हथियार बनाकर भारत को खत्म करने की साजिश की । दुनिया को समझना होगा कि वास्तविक मुद्दा फिलिस्तीन नहीं बल्कि इजराइल है जिसे किसी भी तरह खत्म करना है । फिलिस्तीनियों के साथ कितनी भी सहानुभूति जताई जाए लेकिन सच यह है कि ये लोग इजराइल के अस्तित्व को स्वीकार नहीं करते । अगर फिलिस्तीनी इजराइल के साथ रहना सीख जाते तो आज ये हालात न होते । गाजा में जो हो रहा है, वो किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता लेकिन हमास का समर्थन इन्हीं गाजावासियों ने किया था । जब तक दुनिया आतंकवाद के खिलाफ खड़ी नहीं होती, तब तक गाजा बनते रहेंगे । आतंकवाद का समर्थन करना कितना भारी पड़ता है, ये हमें गाजा बता रहा है । सवाल यह है कि क्या दुनिया इस सबक को सीखने को तैयार है । जब तक आतंकवाद का खात्मा नहीं होता, तब तक फिलिस्तीन को मान्यता देकर कुछ हासिल होने वाला नहीं है ।

बंजर भूमि पर हो प्राकृतिक खेती का विकास

उमेश चतुर्वेदी

देश में खेती की जमीन घट रही है या बढ़ रही है, इसे लेकर दो तरह की बातें की जा रही है। एक वर्ग का मानना है कि देश में खेती की जमीन बढ़ रही है। हालांकि जिस तरह शहरीकरण बढ़ रहा है, खासकर उपजाऊ जमीनों पर शहरों का निर्माण हो रहा है, उससे लगता तो नहीं कि खेती की जमीन बढ़ रही है। हालांकि कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा लोकसभा में पेश एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2018-19 में जहां 180624 हजार हेक्टेयर जमीन पर खेती होती थी, वह साल 2021-22 में बढ़कर 219158 हजार हेक्टेयर हो गई है। इससे तो हमें खुश होना चाहिए। क्योंकि चीन जैसे देश अपने यहां खेती योग्य जमीन की कमी को लेकर चिंतित हैं।

लेकिन एक और रिपोर्ट आई है, लैंड यूज स्टैटिस्टिक्स एट ए ग्लैंस 2012-13 टू 2021-22। इस रिपोर्ट का कहना है कि कहती है, 2018-19 से 2021-22 तक खेती योग्य जमीन का दायरा घटकर 180.62 मिलियन हेक्टेयर से घटकर 180.11 मिलियन हेक्टेयर हो गया है। यह रिपोर्ट राज्यों को सुझाती है कि औद्योगिक और निर्माण गतिविधियों आदि के लिए वे बंजर भूमि का उपयोग करें। संविधान के मुताबिक, भारत में भूमि राज्य सूची का विषय है। इसलिए राज्यों पर इसके लिए दबाव नहीं बनाया जा सकता। लेकिन दिल्ली, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश आदि के विकास को देखने से पता चलता है कि भारी मात्रा में खेती योग्य और बेहद उपजाऊ जमीन अब कंक्रीट के जंगल में बदल चुकी है। शायद यही वजह है कि अब बंजर भूमि को खेती योग्य बनाने को लेकर मांग उठने लगी है।

भारत में कुल 14 करोड़ हेक्टेयर पर नियमित खेती होती है। आज खेती की जो हालत है, जिस तरह उसमें कीटनाशकों और रासायनिक खादों का इस्तेमाल बढ़ा है, उसकी वजह से खेती की मिट्टी भी खराब हो चुकी है। अब कैंसर, ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों के लिए विशेषज्ञ रासायनिक खाद और कीटनाशक युक्त खेती को भी जिम्मेदार बता रहे हैं। पंजाब के बठिंडा से राजस्थान के जोधपुर के लिए चलने वाली विशेष ट्रेन को कैंसर ट्रेन इसीलिए कहा जाने लगा है, क्योंकि इसमें ज्यादातर यात्री जोधपुर के कैंसर अस्पताल में अपना इलाज कराने जाते हैं। जाने वाले खेती की उपज के लिए मशहूर पंजाब राज्य के लोग होते हैं। इसी लिए अब प्राकृतिक, जैविक या नो बजट खेती की मांग बढ़ रही है। इस खेती के जरिए होने वाली उपज को स्वास्थ्य वर्धक माना जाने लगा है। लेकिन खेती की मौजूदा जमीन को सुधारना एक दिन का काम नहीं है और उसे सुधारने में बहुत वक्त

लगेगा। इसलिए अब मांग होने लगी है कि भारत में जो वर्जिन लैंड यानी बंजर जमीन है, उसे तैयार करके उस पर प्राकृतिक और जैविक खेती करने के लिए अनुमति मिलनी चाहिए। वैसे देश की करीब 40 फीसद आबादी अपनी आजीविका के लिए बंजर भूमि पर निर्भर है। ज्यादातर यह आबादी मुख्यत: ग्रामीण है, अशिक्षित भी है या फिर इसमें हाशिए के लोग शामिल हैं। इस सिलसिले में दिल्ली में पांच अगस्त को पूरे दिनभर का सेमिनार भी हुआ, जिसमें राजनेता, सामाजिक कार्यकर्ता और कृषि उत्पादक और कारोबारी भी शामिल हुए। हर वर्ग का मानना था कि ऐसा किया जाना भारत के स्वास्थ्य, हाशिए पर पड़े लोगों की हैसियत सुधारने और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य सुरक्षा के लिए जरूरी है।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के 'बंजर भूमि एटलस' (2019) के अनुसार, देश में लगभग 55.76 मिलियन हेक्टेयर बंजर भूमि है, जो कुल भौगोलिक क्षेत्र का 16.96 प्रतिशत है।अगर उचित उपचार किया जाए तो लगभग 50त्न बंजर भूमि उपजाऊ बन सकती है। इस एटलस के अनुसार राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, मिजोरम, मध्य प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और पश्चिम बंगाल की बंजर भूमि में सकारात्मक बदलाव आया है और उनमें से अधिकांश को कृषि भूमि, वृक्षारोपण और औद्योगिक क्षेत्रों आदि बनाने के लिए बदला जा रहा है।

यहां जान लेना चाहिए कि जो भूमि खाली पड़ी है, अनुत्पादक है, या जिसका पूरी क्षमता से उपयोग नहीं हो रहा हो, जिसकी उत्पादकता कम है, आमतौर पर उसे बंजर माना जाता है। उदाहरण के अनुसार, बंजर भूमि में क्षरित वन, जलभराव वाली दलदली भूमि, पहाड़ी ढलान, अपरदन वाली घाटी, अतिचारित चारागाह और सूखाग्रस्त चारागाह शामिल हैं।

1985 में स्थापित राष्ट्रीय बंजर भूमि विकास बोर्ड यानी एनडब्ल्यूडीबी, के अनुसार बंजर भूमि को क्षरण की सीमा के आधार पर निम्नलिखित समूहों में बांटा गया है। इसमें पहली श्रेणी में सांस्कृतिक बंजर भूमि आती है, जिसका कई वजहों से फिलहाल उपयोग नहीं हो रहा, लेकिन यह भूमि उचित उपचार के बाद उपजाऊ हो सकती है। जैसे झूम खेती वाली भूमि, क्षरित चरागाह और चरागाह भूमि, क्षरित वन भूमि, क्षरित गैर-वनीय वृक्षारोपण भूमि, पट्टीदार भूमि, रेतीले क्षेत्र, खनन और औद्योगिक बंजर भूमि, नाले और बीहड़ भूमि, जलभराव और दलदली भूमि, और लवण प्रभावित भूमि इस दायरे में आती है। दूसरी श्रेणी कृषि-अयोग्य बंजर भूमि कही जाती है। इसमें वह जमीन आती है, जिसका अभी उपयोग नहीं हो रहा है, और किसी भी हालत में उपजाऊ नहीं हो सकती या यहां पेड़-पौधे नहीं उग सकते। इस श्रेणी में पथरीली, तीव्र ढलान वाली और बर्फ से ढकी जमीन आती है। कृषक समुदायों के लिए खतरा: अनुमान है कि भारतीय जनसंख्या का 61.5त्न ग्रामीण है और कृषि पर निर्भर है, और देश में 57.8त्न ग्रामीण परिवार कृषि परिवार हैं। इसलिए, भूमि क्षरण कृषक समुदायों की स्थायी आजीविका सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। क्षरित और बंजर भूमि को पुन: प्राप्त करने के लिए आवश्यक उपाय आवश्यक हैं ताकि सामाजिक और आर्थिक कारणों से अनुपयोगी होते जा रहे क्षेत्रों को पुन: प्राप्त करके और उत्पादन क्षमता के और नुकसान को रोककर पुन: प्राप्त किया जा सके। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि भूमि संसाधन सीमित हैं।

यह कार्यक्रम 1989-90 से क्रियान्वित है। इसे 1995 से जलग्रहण विकास के लिए जारी नए दिशानिर्देशों के आधार पर क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसमें एक आधार-से-ऊपर दृष्टिकोण, अर्थात् सामुदायिक भागीदारी दृष्टिकोण की परिकल्पना की गई है। इसकी ताकत स्थानीय पंचायती राज संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों, सरकारी विभागों और स्थानीय समुदायों को शामिल करके निर्णय लेने की प्रक्रिया के विकेंद्रीकरण में निहित है। नए दिशानिर्देश जलग्रहण विकास निधि की स्थापना करके और समता संबंधी मुद्दों और उपभोक्ता अधिकार तंत्रों के निर्णय में लोगों को शामिल करके स्थायी परियोजनाओं को सुनिश्चित करने का भी प्रयास करते हैं। वैसे बंजर भूमि को उपजाऊ और विकसित बनाने के लिए सरकारी स्तर पर कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना ऐसी ही योजना है। इसके तहत मृदा अपरदन को रोकने, प्राकृतिक वनस्पति को पुनर्जीवित करने, वर्षा जल का संचयन करने और भूजल स्तर को रिचार्ज करने के लिए मिट्टी, वनस्पति आवरण और पानी जैसे खराब प्राकृतिक संसाधनों का दोहन, संरक्षण और विकास के जरिए पारिस्थितिकीय संतुलन बहाल करने की तैयारी की जा रही है।

इसके साथ ही पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के अंतर्गत 1992 में स्थापित राष्ट्रीय वनरोपण एवं पारिस्थितिकी विकास बोर्ड यानी एनएईबी भी बंजर भूमि के विकास के लिए योजनाएं चला रहा है। इसके तहत वनरोपण को बढ़ावा दिया जा रहा है। ये वनरोपण स्थानीय पारिस्थितिकीय हालात पर केंद्रित होते हैं। इसके साथ ही एकीकृत वनरोपण और पारिस्थितिकी विकास परियोजना योजना, क्षेत्रोन्मुख ईंधन लकड़ी और चारा परियोजना योजना, औषधीय पौधों सहित गैर-लकड़ी वनों का संरक्षण एवं विकास योजना, वृक्ष एवं चारागाह बीज विकास योजना आदि भी चलाई जा रही हैं।

भारत की अधिकांश बंजर और अत्यधिक क्षरित भूमि पर सीमांत किसान और आदिवासी आबादी निवास करती है, उनकी आजीविका भी इसी पर टिकी हुई है। इसलिए भी जरूरी है कि बंजर भूमि का विकास हो, उसे उपजाऊ बनाया जाए और उन पर प्राकृतिक खेती की जाए। जिसकी वजह से अपने यहां ना सिर्फ शुद्ध और प्राकृतिक खाद्यान्न का उत्पादन होगा, कृषि वानिकी और वानिकी का भी विकास होगा। तब हम प्रकृति के और ज्यादा नजदीक जा सकेंगे और हमारी दुनिया में बदलाव आए, जो सकारात्मक होगा, प्राकृतिक होगा और स्वास्थ्य वर्धक भी। जिसमें रासायनिक खाद नहीं होंगे, कीटनाशक भी नहीं होंगे, जिसकी उपज का स्वाद स्वाभाविक रूप से मीठा होगा।

शारदीय नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा

शारदीय नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा की जाती है। इस दिन सुबह उठकर स्नान कर साफ वस्त्र पहनें और मां की चौकी सजाएं। रोली, अक्षत, फूल और धूप-दीप अर्पित करें, खासकर गुड़हल या गुलाब के लाल फूल चढ़ाएं और गुड़ से बनी चीजों का भोग लगाएं।

माँ का स्वरूप :-
माँ कालरात्रि, माता कालिका का ही एक रूप हैं। उनका स्वरूप कुछ इस प्रकार है:
त्रिनेत्रधारी : तीन नेत्र हैं।
वाहन : वे गर्दभ (गधे) पर सवार रहती हैं।
चार हाथ : दाहिने हाथ : इनमें वरमुद्रा और अभयमुद्रा हैं, जो भक्तों को आशीर्वाद और सुरक्षा प्रदान करती हैं। बाएँ हाथ में एक लोहे का काँटा और एक खड्ग (तलवार) है।
रंग : उनका रंग गहरा काला है।

पूजा विधि

स्नान और संकल्प: सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें और पूजा का संकल्प लें।
चौकी सजाएं: पूजा के लिए चौकी सजाकर मां कालरात्रि की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें।
गंगाजल और दीपक: मां की प्रतिमा के आसपास गंगाजल का छिड़काव करें और घी का दीपक जलाएं।
सामग्री अर्पित करें: रोली, अक्षत, फूल (विशेषकर गुड़हल/गुलाब), फल और धूप-दीप अर्पित करें।
भोग लगाएं: मां को गुड़ या गुड़ से बनी चीजों का भोग लगाएं।
पाठ और आरती: मां कालरात्रि की आरती करें और दुर्गा सप्तशती या दुर्गा चालीसा का पाठ करें।
मंत्र जप: मंत्रों के साथ मां कालरात्रि की उपासना करें। आप 'ॐ कालरात्र्यै नमः' मंत्र का जाप कर सकते हैं।
ध्यान रखने योग्य बातें
रंग: मां को लाल रंग के वस्त्र या लाल रंग की चीजें बहुत प्रिय हैं।
भोग: मां को गुड़ का भोग बहुत पसंद है, और इसका दान भी किया जा सकता है।
अन्य उपाय: आप गुड़ के अलावा चीकू का भी भोग लगा सकते हैं।
प्रसाद: गुड़ को ब्राह्मणों को दान करने या प्रसाद के रूप में बांटने से लाभ होता है।
माला: अगर उपलब्ध हो तो लाल चंदन की माला का प्रयोग करें, नहीं तो रुद्राक्ष की माला का उपयोग कर सकते हैं।
मंत्र और जप–
माँ कालरात्रि का मंत्र है:
'ॐ ऐं ह्रीं क्लीं कालरात्र्यै नमः'।

स्लिम लुक के लिए कलर्स को अपनाएं

ब्लैक : ब्लैक कलर स्पेक्ट्रम में से सबसे डार्क कलर है, जो भ्रम पैदा करता है कि काले रंग की आउटफिट पहनने वाली महिला वास्तविकता से कुछ हद तक स्लिम नजर आती है। शायद यही कारण है कि थोड़ी हैवी बॉडी वाली महिलाएं हमेशा अपने वार्डरोब में ब्लैक आउटफिट को जगह देती हैं। इसके अलावा, नेवी ब्लू, चॉकलेट ब्राउन या डार्क ग्रे के शेड्स जैसे डार्क कलर भी आपको पतला होने का आभास देते हैं।

मोनोक्रोमैटिक शेड्स : यदि आप अपनी ऊंचाई को कम करना चाहते हैं और एक पतली दिखने वाली उपस्थिति प्राप्त करना चाहते हैं, तो ऊपर से नीचे तक मोनोक्रोमैटिक रंग पहनें। यह एक आसान ट्रिक है, जो आपको पतला दिखाने में मदद करती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि मोनोक्रोमैटिक शेड्स पहनने से आपकी बॉडी की विजुअल वर्टिकल लाइन क्रिएट होती है, जिसके कारण यह आपके शरीर के बल्की एरिया को भी पतला दिखाता है।

करें कलर मिक्सिंग : यह सच है कि स्लिम और ट्रिम दिखने के लिए मोनोक्रोम शेड्स को कैरी करना अच्छा आईडिया है। लेकिन यह जरूरी नहीं है कि आप हर बार एक ही तरह के रंगों से चिपकी रहें। आप कलर्स के साथ प्ले करके भी अपने लुक को एन्हांस कर सकती हैं, साथ ही स्लिम दिख सकती हैं। मसलन, डार्क और लाइट शेड्स का कॉम्बिनेशन आपको स्टाइलिश दिखा सकता है। जैसे डार्क बॉटम के साथ ब्राइट कलर टॉप का कॉम्बिनेशन अच्छा रहेगा।

बच्चों के लिए भी फायदेमंद है होम्योपैथी इलाज

बड़ा हो या बच्चा हर किसी का स्वास्थ्य बहुत अहम होता है, लेकिन बच्चों के मामलों में स्वास्थ्य से जुड़ी बातें गंभीर हो जाती है। अक्सर पैरेंट्स ये कोशिश करते हैं कि उनके बच्चे को किसी भी तरह की परेशानियां न आए और अगर आ भी जाए तो उसे तुरंत ठीक कर लिया जाए। ऐसा ही तब देखा जाता है जब बच्चे की तबीयत खराब हो या फिर उसे स्वास्थ्य से जुड़ी कोई परेशानी हो, ऐसे में कई पैरेंट्स आज भी ये सोचत हैं कि बच्चे को कोई साइड इफेक्ट्स न हो इसलिए होम्योपैथिक इलाज करवा लेते हैं। होम्योपैथिक इलाज आज से नहीं बल्कि सदियों से एक सुरक्षित और असरदार इलाज के रूप में देखा जाता है, होम्योपैथिक से इलाज बच्चा, बड़ा या फिर कोई भी बुजुर्ग आसानी से करवा सकता है और इससे कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता। बच्चों के लिए इसे ज्यादा सुरक्षित इसलिए भी माना जाता है क्योंकि अक्सर एलोपैथी दवा लेने के बाद बच्चों को नींद, थकान जैसी चीजें महसूस होती है लेकिन होम्योपैथी में ऐसा नहीं होता, ये काफी सुरक्षित इलाज माना जाता है।

इम्यून सिस्टम को करता है मजबूत

होम्योपैथी इलाज को बच्चों के लिए इसलिए प्राथमिकता दी जाती है क्योंकि ये बच्चे की किसी भी बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए काम करती है। इसके साथ ही होम्योपैथी इलाज के दौरान बच्चों को दी जाने वाली दवा बच्चे के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करती है। जिससे बच्चे किसी भी बीमारी से लड़ने में सक्षम होते हैं। बच्चों को ये दवा पसंद भी आ जाती है क्योंकि इस इलाज की दवाएं मीठी होती है जो बच्चे आसानी से खा लेते हैं और कोई जबरदस्ती नहीं करनी पड़ती।

कई गंभीर बीमारियों का किया जाता है इलाज

बचपन में ही सर्जरी और ऑपरेशन और लंबा चलने वाले इलाज से ठीक होने वाली कई ऐसी गंभीर बीमारियां होती है जिनसे अक्सर माता-पिता डरते हैं। यही वजह है कि ज्यादातर पैरेंट्स होम्योपैथी की ओर रुख करते हैं। होम्योपैथी इलाज में बच्चों को होने वाले अस्थमा, शरीर में होने वाले आम संक्रमण, दस्त, पीलिया, दांत की समस्या, चिकनपॉक्स रोग जैसी बीमारियों को आसानी से ठीक किया जा सकता है।

होम्योपैथी कैसे है फायदेमंद

होम्योपैथी एक ऐसा इलाज का जरिया है जिससे किसी को भी किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता और ये एक सुरक्षित इलाज है। इसके साथ ही होम्योपैथी इलाज के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं की लत भी नहीं लगती। होम्योपैथी दवा, गर्भवती महिला, बच्चे, बड़े, बुजुर्ग या फिर गंभीर बीमारियों के रोगी भी इसकी दवा ले सकते हैं। इसके लिए कई जरूरी पेड़, पौधों और खनिजों का इस्तेमाल किया जाता है।

झाइयों को भगाएं दूर

हर महिला खूबसूरत और बेदाग त्वचा चाहती है। लेकिन आजकल की लाइफस्टाइल, खान-पान में गड़बड़ी और तनाव के चलते महिलाओं को त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन चेहरे पर झाइयां एक ऐसी समस्या है जो महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशान करती है क्योंकि यह त्वचा पर काले धब्बों के रूप में दिखाई देती है जो चेहरे की खूबसूरती को कम कर देती है। मेलानिन का लेवल बढ़ने, अधिक समय तक धूप में रहने, पिंपल्स, हार्मोनल बदलाव, आनुवांशिक कारणों और दवाओं के साइड इफेक्ट के कारण पिग्मेंटेशन की समस्या हो सकती है।

स्किन पिग्मेंटेशन या डार्क स्पॉट्स एक ऐसी समस्या है जिससे ज्यादातर महिलाएं कभी न कभी जरूर परेशान रहती हैं। ये अनचाहे निशान सूरज के संपर्क से लेकर मुंहासे के बाद के प्रभाव तक कई कारणों से हो सकते हैं। लेकिन परेशान न हो क्योंकि हमारी किचन में कुछ ऐसे टिप्स उपलब्ध हैं जिन्हें हमारी पीढ़ियों द्वारा आजमाया और परखा गया है जो हमें सुझाव देते हैं कि कोई और कदम उठाने से पहले हम इन्हें जरूर आजमाएं।

नींबू: यह बात तो सभी जानते हैं कि नींबू का रस विटामिन सी से भरपूर होता है और निशान को ठीक करने में मदद करता है। लेकिन त्वचा पर लगाने से पहले इसे गुलाब जल या पानी से पतला करके इस्तेमाल करना चाहिए।

टमाटर: ये एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं और त्वचा को ठीक करते हैं। टमाटर में मौजूद लाइकोपीन डेड स्किन से छुटकारा पाने और त्वचा की रंगत को हल्का करने में फायदेमंद होता है। टमाटर का एक टुकड़ा त्वचा पर रगड़ने से टैनिंग और झाइयों से लड़ने में मदद मिलती है।

शहद: इसमें एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो त्वचा पर झाइयों के प्रभाव को कम करते हैं। इसे अकेले या दही और गुलाब जल के साथ मिक्स करके त्वचा पर मालिश के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

एलोवेरा: एलोवेरा जैल त्वचा की सभी समस्याओं से लड़ने में मदद करता है। जैल का एक टुकड़ा लें और इसे सीधे अपने चेहरे पर लगाएं। यह झाइयों के साथ-साथ त्वचा की जलन और सूजन को शांत करने में मदद करता है।

क्लिनिक में उपलब्ध उपचार

अगर आपको घरेलू उपचारों से बहुत ज्यादा फर्क महसूस नहीं हो रहा है और आप झाइयों की समस्या से तुरंत छुटकारा पाना चाहती हैं तो आप क्लिनिक में उपलब्ध ट्रीटमेंट को अपना सकती हैं।

पील: त्वचा के प्रकार और झाइयों की गंभीरता के आधार पर विभिन्न प्रकार के पील होते हैं। इसमें लैक्टिक एसिड से लेकर डर्मेलमेलन पील तक शामिल हैं। ये त्वचा के पुनर्निर्माण और हेल्दी त्वचा को बढ़ावा देने के लिए काम करते हैं। स्ट्रॉंग पील के लिए कुछ डाउनटाइम हो सकता है, लेकिन आपको परेशान नहीं होना चाहिए।

फेशियल: अगर आप झाइयों से बचने के लिए ऊपर दिए गए दो में से किसी भी ट्रीटमेंट को नहीं लेना चाहती हैं तो आप मेडिकल फेशियल करवाएं। इनका परिणाम तत्काल ही दिखाई देता है जिससे आपकी त्वचा तुरंत कायाकल्प महसूस करती है। इसका कोई डाउनटाइम और साइड इफेक्ट नही है।

स्मॉल किचन को दें स्पेशियस लुक

रसोई, घर का एक ऐसा कोना है जहां सभी की ज़रूरतों व इच्छाओं का भरपुर ख्याल रखा जाता है। ऐसे में जब बात हो रसोई के ही रख रखाव, या उसके लुक की तो स्वभाविक तौर पर नए-नए फंडे निकल आते हैं। लेकिन जब बात हो छोटी रसोई की तो यह काम थोड़ा सा मुश्किल हो जाता है। क्योंकि कम स्पेस की वजह से रसोई बिखरी-बिखरी ज्यादा लगती है। आप रसोईघर की जगह को ज्यादा नहीं बदल सकते हैं। इतना ही नहीं आपको कोशिश कर के कम जगह में ही फिट होने का प्रयास करना चाहिए। इसके अलावा किचन को साफ सुथरा रखने के लिए एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि कम बर्तन हो, ताकि बर्तनों को आसानी से व्यवस्थित किया जा सके जिससे आपकी रसोई विशाल दिखे।

- **दीवार का करें इस्तेमाल** जब आप बहुत सारे बर्तनों को स्लेब पर या फिर फर्श पर रखते हैं तो जगह ज्यादा घिरती है। ऐसे में आपके लिए बेस्ट ऑप्शन है बर्तनों को दीवार पर लटकाना, ऐसा करने के लिए आप झ शेप के हुक्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे रसोई की जगह भी कम इस्तेमाल होगी।
- **इस्तेमाल करें नाइफ ब्लॉक्स** यदि आपके रसोईघर में दराज हैं तो उनमें से केवल एक चाकू और चम्मच के लिए रखें। केवल आवश्यकता होने पर उन्हें बाहर निकालें। इससे रसोई की स्पेस की बर्बादी नहीं होगी। आप मानें या न मानें यह निश्चित रूप से एक छोटी रसोई में बर्तनों की व्यवस्था करने के लिए सबसे अच्छे ऑप्शन में से एक है।
- **दराजों को करें विभाजित** यदि आप सच में छोटी रसोई में बर्तनों को ढंग से जमाना चाहते हैं तो, सबसे बढ़िया आइडिया है रसोई में बनी दराजों को भरने के बजाए, उन्हें विभाजित कर लें। इसके लिए आप लकड़ी के खूंटी का प्रयोग कर, हर एक खंड में विशिष्ट बर्तन रख सकते हैं।
- **बनाएं इन्सेट स्टोरेज** अगर आप रोज़ काम आने वाले बर्तनों को जमाकर रखना चाहते हैं तो आप रसोई काउंटर के टॉप पर इन्सेट बर्तनों का स्टोरेज बनवा सकते हैं। इन्सेट बर्तनों से यहां अर्थ है काउंटर के टॉप पर दीवार पर ही छोटी-छोटी अलमारियां बनवा लें, जिनमें बर्तन रखे जा सकें।
- **लगाएं स्लाईडिंग ट्रेज** किसी भी रसोईघर में बर्तनों को व्यवस्थित करने के लिए सबसे सुविधाजनक तरीकों में से एक है दीवार पर शेल्फ लगवाना। साथ ही महत्वपूर्ण बर्तन पाने के लिए ट्रे निकाल सकते हैं।
- **एक जैसी चीज़ों को एक साथ रखें** रसोई व्यवस्थित तभी लगती है जब एक तरह के बर्तनों को एक साथ ही रखा जाए। कहने का अर्थ है कि अगर आप छोटी प्लेट्स के साथ बड़ी प्लेट्स को रखेंगे तो पूरी रसोई अव्यवस्थित लगेगी।

खाना पकाने के पौष्टिक तरीके

यदि आप सभी स्वास्थ्य के प्रति सचेत हैं पर खाना पकाने का सही तरीका चुनने से आपको अपने आहार में पोषक तत्वों के स्तर को बनाए रखने में मदद मिल सकती है, इसीलिए यह जानना जरूरी है कि कौन सा तरीका सबसे अच्छा है।

माइक्रोवेव : भोजन को तैयार करने का बेहद आसान और सुविधाजनक तरीका है उसे माइक्रोवेव करना। माइक्रोवेव में पका हुआ भोजन पोषण मूल्य के मामले में सबसे हेल्दी विकल्प है। कम देर में खाना पकना और हीट या गर्मी के संपर्क में कम रहने की वजह से माइक्रोवेव किए गए भोजन में पोषक तत्व संरक्षित रहते हैं।माइक्रोवेव करने के दौरान हरी सब्जियों में मौजूद विटामिन सी का केवल 20 या 30 प्रतिशत हिस्सा ही नष्ट होता है, जोकि खाना पकाने के बाकी तरीकों की तुलना में बेहद कम है। लहसुन और मशरूम की एंटीऑक्सिडेंट गतिविधियों को बनाए रखने के लिए माइक्रोवेव करना पकाने का सबसे अच्छा तरीका है।

रोस्टिंग : रोस्टिंग की प्रक्रिया को अवन में ओपन फ्लेम पर भी किया जा सकता है। खाना पकाने की इस विधि में सभी तरह के विटामिन्स की हानि बेहद कम होती है जिसमें विटामिन सी भी शामिल है। इसमें सब्जियां जल्दी और आसानी से पक जाती हैं। घी और तेल का उपयोग कम होता है।

ग्रिलिंग : अगर आप इस तरह से खाना पकाते हैं तो इसमें घी या तेल का इस्तेमाल बहुत कम होता है। इस विधि में खाद्य पदार्थों के फ्लेवर और टेक्सचर सुरक्षित रहते हैं। इसमें पकाए जाने वाले खाद्य पदार्थ को ग्रिल के ऊपर रखते हैं, जिसमें नीचे से आंच लगती है।

स्टीमिंग : पोषक तत्वों को बनाए रखने की अगर बात हो तो इसमें स्टीमिंग यानि भाप में भोजन को पकाना सबसे अच्छा तरीका है। ताजा सब्जियां, चावल और दलिया को जहां तक संभव हो, कम पानी में भाप में पकाएं। मौसमी सब्जियों को स्टीमर या इडली बनाने वाले बर्तन या प्रेशर कुकर की भाप में पका सकते हैं। इसमें तेल की जरूरत नहीं होती और समय भी कम लगता है। इससे विटामिन व दूसरे पोषक तत्व भी सुरक्षित रहते हैं। न्यूट्रीशनिस्ट का कहना है कि कई सब्जियों जैसे बंदगोभी, फूलगोभी, ब्रोकली में कैंसर से लड़ने वाले तत्व होते हैं।

इन मामूली सी चीजों से पाएं खूबसूरत और लंबे नेल्स

संतरे का जूस : 10 मिनट तक नाखूनों में संतरे का जूस लगाएं। इसके बाद गुनगुने पानी से हाथ धो लें। लगातार ऐसा करने से कुछ ही दिनों में नाखून बढ़ने लगेंगे। इसके अलावा चाहे तो संतरा खाने के बाद बचे छिलके को भी नाखूनों पर रगड़ने से नाखून जल्दी बढ़ जाते है।

नींबू का रस : एक कटोरी गर्म पानी में नींबू की कुछ बूंदें डालें।अब उस पानी में 5 मिनट के लिए अपनी उंगलियों को रहने दें। इसके बाद तुरंत हाथों को ठंडे पानी में डाल दें। इसके अलावा नींबू के छिलके को भी आप नाखूनों पर रगड़ सकती है। उसमें भी खूब मात्रा में नींबू का रस बचा होता है।

नारियल तेल : नाखूनों को बढ़ाने में नारियल तेल भी बहुत हैल्पफूल है। इस तेल को लगाने से नाखून मॉइस्चराइज होंगे और टूटेंगे नहीं। एक कटोरे में नारियल तेल डाल लें । इस तेल से नाखूनों क मालिश करें। इससे नाखून तेजी से बढ़ेंगे।

ऑलिव ऑयल : ऑलिव ऑयल भी नाखूनों को बढ़ाने में सहायक है। इसमें विटामिन ई होता है जो नाखूनों को पोषण प्रदान करता है जिससे नाखून तेजी से बढ़ते हैं। ऑलिव ऑयल को गर्म करके उससे कम से कम 3 मिनट तक नाखूनों पर मालिश करें। रोजाना ऐसा करने से कुछ ही दिनों में नाखून बढ़ने लगेंगे।

लहसुन : नाखून बढ़ाने के लिए लहसुन की कलियां लें। अब इन कलियों को बीच से काटकर नाखूनों पर मलें। इस नुस्खे को रात में करेंगे तो ज्यादा फायदा मिलेगा। रोजाना रात को कुछ दिनों तक लगातार लहसुन लगाने से नाखून बढ़ने शुरूहो जाएंगे।

विटामिन ए : नाखून बढ़ाने के लिए अपनी डाइट में 'विटामिन ए' जरूर शामिल करें। विटामिन का सेवन करने से नाखून मजबूत होने लगते हैं। शरीरर में 'विटामिन ए' की कमी को पूरा करने के के लिए अंगूर, दूध, गाजर, पालक, मांस, मछली और अंडे करें।

सेंधा नमक के फायदे

चेहरे की साफ-सफाई : आपके फेस क्लींजर पर थोड़ा-सा सेंधा नमक छिड़कें और इसे अपने चेहरे पर सर्कुलर मोशन में रगड़े। सेंधा नमक से त्वचा के डेड सेल्स निकल जाएंगे और आपकी त्वचा अच्छी हो जाएगी।

जली-झुलसी त्वचा : सनबर्न या धूप में झुलसी त्वचा को राहत देने के लिए दो चम्मच सेंधा नमक को एक कप पानी में मिलाएं और इसे एक स्प्रे बॉटल में भरें। झुलसी हुई त्वचा की जलन कम करने के लिए इसे प्रभावित हिस्सों पर छिड़कें या स्प्रे करें।

ब्लैकहेड्स : ब्लैकहेड निकालने के लिए सेंधा नमक एक बहुत ही बढिया विकल्प है। 1 टेबलस्पून एप्सम सॉल्ट को एक चौथाई गर्म पानी में घोलें। ठंडा होने के बाद इस मिश्रण में सूई डुबाकर अपनी नाक पर लगाएं। 5-10 मिनट बाद गुनगुने पानी से साफ करें।

चेहरे पर चिपचिप : त्वचा पर चिपचिपाहट महसूस होने पर इसे कम करने और चेहरे से तेल छुड़ाने के लिए आधा टेबलस्पून सेंधा नमक में दो चम्मच दही मिलाएं और फिर इसे अपने चेहरे पर मलें।

तपागच्छ संप्रदाय की भव्य और ऐतिहासिक महारथ यात्रा

दक्षिण मुंबई के मुख्य मार्गों पर जैन धर्मशासन के तपागच्छ संप्रदाय द्वारा आयोजित 53 संघों की भव्य और ऐतिहासिक महारथ यात्रा

गत रविवार को दक्षिण मुंबई के मध्यवर्ती प्रमुख मार्गों पर जैन धर्म के तपागच्छ संप्रदाय की एक भव्य महारथ यात्रा का आयोजन हुआ, जिसमें "सूरीरामचंद्र" समुदाय के साथ "सूरीशांतिचंद्र" समुदाय के मुंबई में विराजमान
- पू.आ.श्री श्रेयांसप्रभसूरीश्वरजी महाराज,
- पू.आ.श्री योगतिलकसूरीश्वरजी महाराज,
- पू.आ.श्री हर्षशीलसूरीश्वरजी महाराज,
- पू.आ.श्री मोक्षरति सूरीश्वरजी महाराज,
- पू.आ.श्री हितरत्नसूरीश्वरजी महाराज,
- पू.आ.श्री भव्यचंद्रसूरीश्वरजी महाराज

जैसे अनेक पूज्य पदस्थ Acharyas तथा सैकड़ों श्रमण-श्रमणियों की पावन उपस्थिति में, हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच, अत्यंत उल्लासपूर्ण वातावरण में शास्त्रसम्मत रूप से यह महारथ यात्रा सम्पन्न हुई।

मुंबई महानगर एवं उसके आसपास के कुल 53 संघों ने इस महारथ यात्रा में भाग लिया। इस भव्य आयोजन में 7 रजतमय परमात्मा को विमान तुल्य रथों में अत्यंत भव्य रूप से

विराजमान किया गया, वहीं 20 अन्य रजतमय परमात्मा को विभिन्न संघों के आराधकों द्वारा अत्यंत आकर्षक पालकियों (शिबिकाओं) में विराजमान कर, पूजन के वस्त्र धारण कर रथों और पालकियों को कंधे पर उठाकर यात्रा निकाली गई। इस पावन कार्य में 600 से अधिक भाईयों ने भाग लिया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मंचर स्थित जिनालय में प्रतिष्ठित होने वाले विशाल श्री नेमिनाथजी और श्री पार्श्वनाथजी की प्रतिमाओं को भी एक विशेष फ्लोट में दर्शनार्थ विराजमान किया गया था।

आज की रेसिपी

कटहल बिरयानी

कभी सोचा है बिरयानी में सबसे स्वादिष्ट क्या होता है... खैर बिरयानी के चाहने वालों के लिए इसके अलग-अलग जवाब हो सकते हैं. लेकिन हम आपको बता रहे हैं एक ऐसी बिरयानी रेसिपी के बारे में, जो आज से आपकी फेवरेट होने वाली है...

सामग्री :
- 300 ग्रा. कटहल, 60 ग्रा. दही, 30 ग्रा.अदरक-लहसुन का पेस्ट, 200 ग्रा. बासमती चावल (4 मिनट के लिए उबलते पानी में पकाए हुए), 15 ग्रा. घर का बना गरम मसाला नमक, 5 ग्राम लाल मिर्च पाउडर, 600 (मिली.) पानी, 30 (मिली.) घी, 10 ग्राम भूरा प्याज एक चुटकी केसर, 10 ग्रा. धनिया पत्ती, 5 ग्राम पुदीना, आटा

घर के बने मसाले के लिए:
- 5 ग्राम स्टार ऐनीज़, 5 ग्राम जावित्रीऽ 5 ग्राम इलायची, 5 ग्राम हरी इलायची, 5 ग्राम जीरा, 5 ग्राम साबुत धनिया, 5 ग्राम लौंग, 5 ग्राम साबुत लाल, मर्च, 5 ग्राम दालचीनी

विधि :
- सबसे पहले एक कटोरे में कटहल डाल लें. इसके ऊपर अदरक-लहसुन का पेस्ट, नमक, लाल मिर्च पाउडर और दही डालकर मिक्स कर लें. इसे ढककर 3 घंटे के लिए रख दें.
- अब एक दूसरे बर्तन में घी लें. इसमें मैरिनेटिड कटहल को डालें. इसे हल्की आंच पर पकाना शुरू करें. पकाने के लिए आप हांडी, कुकर या कोई कड़ाही ले सकते हैं.
- हल्की आंच पर पकाते हुए गरम मसाला भी डालें.
- अब 200 ग्राम भीगे चावल डालें और 600 एमएल गरम पानी डालें.
- अब दम के लिए गुंधा हुआ आटा लेकर इसे सील कर दें. हल्की आंच पर 20 मिनट तक पकाएं.
- जब तक बिरयानी में दम लग रहा है आप रायता या चटनी तैयार कर लें. तैयार होने के बाद रायते के सर्व करें.

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने नई CB350C स्पेशल एडिशन लॉन्च की

नईदिल्ली। प्रीमियम 350cc मोटरसाइकिल सेगमेंट में अपनी पकड़ और मजबूत करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI) ने आज ऑल-न्यू CB350C स्पेशल एडिशन लॉन्च किया। इस रेट्रो-क्लासिक बाइक की बुकिंग अब शुरू हो गई है और यह अक्टूबर 2025 के पहले हफ्ते से पूरे देश में सभी होंडा बिगविंग डीलरशिप्स पर उपलब्ध होगी। नई होंडा CB350C स्पेशल एडिशन की कीमत 2,01,900 (एक्स-शोरूम, बेंगलुरु, कर्नाटक) रखी गई है। नई CB350C स्पेशल एडिशन पेश करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रेसिडेंट और CEO, श्री त्सुत्सुमु ओतानी ने कहाः CB लेगेसी हमेशा से टाइमलेस डिज़ाइन, रिफाइंड परफॉर्मेंस और राइडर्स के साथ गहरा इमोशनल कनेक्ट का प्रतीक रही है। नई CB350C स्पेशल एडिशन के लॉन्च के साथ हम न सिर्फ अपने मिड-साइज़ मोटरसाइकिल पोर्टफोलियो को और मज़बूत कर रहे हैं, बल्कि आज के क्लासिक कस्टमर्स के लिए एक नई पहचान भी बना रहे हैं। हमें पूरा भरोसा है कि यह नया अवतार हमारे कस्टमर्स के लिए प्राइड ऑफ ओनरशिप को और बढ़ाएगा। इस घोषणा पर बात करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के डायरेक्टर, सेल्स एंड मार्केटिंग, श्री योगेश माथुर ने कहाः हम बेहद उत्साहित हैं कि हम ऑल-न्यू CB350C स्पेशल एडिशन उन राइडर्स के लिए पेश कर रहे हैं, जो Bold Move करते हैं और परंपरा व आधुनिकता का परफेक्ट ब्लेंड तलाशते हैं। यह मोटरसाइकिल हमारी प्रीमियम मोटरसाइकिल स्ट्रैटेजी में एक अहम पड़ाव है। इसे खास तौर पर उन राइडर्स की आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है, जो एक्सक्लूसिविटी, स्टाइल और होंडा की बेमिसाल रिलायबिलिटी को महत्व देते हैं। इसके रिफ्रेश्ड डिज़ाइन एलिमेंट्स नए ग्राफिक्स और स्पेशल एडिशन ब्रांडिंग–इसे सड़क पर एक अलग पहचान देते हैं। हमें खुशी है कि हम यह मोटरसाइकिल अपने बिगविंग नेटवर्क के जरिए ला रहे हैं और हमें पूरा भरोसा है कि यह पूरे भारत में न्यू-एज कस्टमर्स को आकर्षित करेगी।

गैलेक्सी A06 5G मिलेगा 9899 रुपये में, सैमसंग ने त्योहारी सीजन से

गुरुग्राम। सैमसंग ने आज त्योहारी सीजन से पहले गैलेक्सी A06 5G स्मार्टफोन पर आकर्षक लिमिटेड-पीरियड डील की घोषणा की। आज से शुरू हो रहे इस ऑफर के तहत, गैलेक्सी A06 5G केवल 9,899 रुपये की कीमत में उपलब्ध होगा। यह डील उन उपभोक्ताओं के लिए बिल्कुल परफेक्ट है जो फीचर फोन या 4G स्मार्टफोन से अपग्रेड करना चाहते हैं। गैलेक्सी A06 5G किफायती कीमत पर संपूर्ण 5G अनुभव प्रदान करता है। इसके अलावा, गैलेक्सी A06 5G खरीदने वाले उपभोक्ताओं को फेस्टिव डील के तहत 1,399 रुपये कीमत का सैमसंग 25W ट्रैवल एडॉप्टर केवल 299 रुपये में मिलेगा। अधिक किफायती विकल्प चाहने वाले उपभोक्ता इस स्मार्टफोन को मात्र 909 रुपये प्रति माह की ईएमआई पर खरीद सकते हैं। गैलेक्सी A06 5G पर यह त्योहारी डील सैमसंग की उस प्रतिबद्धता को दिखाती है, जो डिजिटल अंतर को कम करने और लाखों लोगों को 5G अनुभव देने के लिए है। गैलेक्सी A सीरीज का सबसे किफायती 5G स्मार्टफोन होने के कारण, यह भरोसेमंद परफॉर्मेंस और लंबी उम्र के साथ बेहतरीन मूल्य देता है। गैलेक्सी A06 5G सभी नेटवर्क के साथ काम करता है, 12 5G बैंड्स और कैरियर एग्रीगेशन फीचर के साथ तेज और बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करता है। मीडियाटेक D6300 प्रोसेसर से चलने वाला यह फोन शानदार परफॉर्मेंस देता है, जिससे मल्टीटास्किंग, गेमिंग और स्ट्रीमिंग आसान हो जाता है। इसमें RAM प्लस फीचर भी है, जो 12GB तक RAM देता है। गैलेक्सी A06 5G में 50MP मेन रियर कैमरा है, जो शार्प और डिटेल्ड इमेज कैप्चर करता है, साथ ही 2MP का डेप्थ कैमरा पिक्चर की क्लैरिटी बढ़ाता है। 8MP फ्रंट कैमरा उच्च गुणवत्ता वाली सेल्फी और वीडियो कॉल्स लेने में मदद करता है। स्मार्टफोन में स्लीक और स्टाइलिश डिज़ाइन है, साथ ही इसका 6.7'' HD+ डिस्प्ले बेहतरीन विजुअल अनुभव देता है। गैलेक्सी A06 5G में 5000 mAh बैटरी है, जो सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ 25W फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आती है। सैमसंग गैलेक्सी A06 5G के साथ विश्वसनीयता को फिर से परिभाषित कर रहा है, जिसमें 4 पीढ़ियों के OS अपग्रेड्स और 4 साल के सिक्योरिटी अपडेट्स शामिल हैं।

अमेरिकी यूनिवर्सिटी में पहली बार गूंजी गीता की आवाज

छात्रों ने बनाया हिंदू लॉ एसोसिएशन

न्यूयॉर्क, एजेंसी।
न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ में पढ़ाई का दबाव और तनाव अक्सर सबसे दृढ़ निश्चयी छात्रों को भी तोड़ देता है। लेकिन यहां पढ़ने वाले भारतीय मूल के कुछ 20-25 वर्ष के छात्रों ने एक प्राचीन परंपरा से प्रेरणा लेकर इस तनाव से निपटने का रास्ता खोजा है। विश्वविद्यालय में पहली बार हिंदू लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एचआईएलएसए) की स्थापना हुई है। संगठन की सह-अध्यक्ष रोशनी यारादी ने कहा, हिंदू धर्म की कई बातें वकालत जैसे तनावपूर्ण पेशे के लिए बेहद उपयुक्त हैं। योग, ध्यान, प्राणायाम जैसी साधनाएं मानसिक शांति और एकाग्रता देती हैं। ये ऐसी तकनीकें हैं, जिनका लाभ हर वकील को लेना चाहिए।

इस संगठन की परिकल्पना तीन साल पहले जुड़वां बहनों तान्या और मेघा बंसल ने की थी। जरूरी हस्ताक्षर और विश्वविद्यालय की मंजूरी मिलने के बाद इसे पिछले साल आधिकारिक रूप से शुरू किया गया। आज लगभग 30 छात्र इससे जुड़े हैं, जिनमें ज्यादातर मास्टर्स ऑफ लॉ (एलएलएम) के छात्र हैं, जबकि कुछ तीन वर्षीय छ्रष्ठ प्रोग्राम में भी हैं। दूसरी सह-अध्यक्ष रचिता बोंमकांति कहती हैं, अगर एनवाययू लॉ में हर धर्म के लिए छात्र संगठन है, तो हिंदू धर्म का क्यों नहीं हमने सोचा कि हमें भी अपनी आस्था और पहचान के लिए ऐसा मंच चाहिए। एनवाययू में अंतरराष्ट्रीय छात्रों में भारत दूसरे स्थान पर है। 2023-24 शैक्षणिक वर्ष में 4,700 से अधिक भारतीय छात्र यहां विभिन्न कोर्सों में पढ़ाई कर रहे हैं। यारादी और बोंमकांति दोनों का कहना है कि लंबे समय तक उन्होंने हिंदू संगठनों से दूरी बनाए रखी, क्योंकि अमेरिका में खुले तौर पर हिंदू पहचान अपनाने में झिझक होती थी। लेकिन अब वे मानती हैं कि हिंदू धर्म को नए ढंग से परिभाषित करने की जरूरत है। वे कहती हैं, आप हिंदू होते हुए भी कूल हो सकते हैं। आप मांसाहारी हों या न हों, शराब पीते हों या नहीं, सबकी अपनी व्याख्या संभव है। बोंमकांति ने कहा, कई युवाओं को लगता है कि खुलकर हिंदू धर्म का अभ्यास करने से वे अजीब या अलग दिखेंगे। हम इस डर को खत्म करना चाहते हैं। एचएलएसए ने अब तक सोहो स्थित गणेश मंदिर में योग क्लास और इंडिक स्पिरिचुअलिटी पर एक व्याख्यान का आयोजन किया है। छात्र अब नियमित रूप से भगवद्गीता का सामूहिक पाठ शुरू करने की योजना बना रहे हैं। उनका मानना है कि गीता का दूसरा अध्याय, जिसमें भगवान कृष्ण अर्जुन को परिणाम की चिंता छोड़कर केवल अपने धर्म (कर्तव्य) पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह देते हैं, वकालत जैसे पेशे के लिए गहरी सीख देता है। बोंमकांति ने कहा, कानून में अक्सर लोग अपने काम के परिणाम से बंध जाते हैं, जिससे थकान और असंतोष पैदा होता है। गीता हमें सिखाती है कि फल की चिंता छोड़कर कर्तव्य निभाना ही सच्ची सफलता है। आने वाले समय में संगठन नृत्य कार्यशालाएं, क्वींस के मंदिरों की यात्राएं और पारंपरिक त्योहारों के आयोजन की योजना बना रहा है। यारादी ने कहा, हम धार्मिक और सांस्कृतिक पहलुओं को एक साथ जोड़ना चाहते हैं। बोंमकांति का कहना है, हिंदू धर्म की खूबसूरती यही है कि अगर आप ज्ञान की तलाश में हैं तो आपको साधु या संत बनने की ज़रूरत नहीं।

सैमसंग का 'सुपर बिग सेलिब्रेशन' – विज़न एआई वाले बड़े स्क्रीन टीवी पर शानदार फेस्टिव डील्स पाएं

गुरुग्रामः भारत की सबसे बड़ी कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने सबसे बड़े फेस्टिव कैंपेन 'सुपर बिग सेलीब्रेशन्स' की घोषणा की है। इसके अंतर्गत विजन एआई से लैस प्रीमियम बड़े स्क्रीन टीवी पर शानदार डील्स और रिवॉर्ड्स मिलेंगे। यह ऑफ़र 31 अक्टूबर 2025 तक वैध है और इस फेस्टिव सीज़न में एंटरटेनमेंट एक्सपीरियंस को अपग्रेड करने का मौका देता है। सैमसंग ने इस कैम्पेन में अपनी एआई टीवी लाइन-अप पर विशेष ऑफ़र, कैशबैक और रिवॉर्ड्स पेश किए हैं। इसके अलावा, जीएसटी दरों में कमी के कारण कीमतों में भी राहत मिलेगी। सैमसंग के 'सुपर बिग सेलीब्रेशन्स' के दौरान उपभोक्ता सिर्फ 990 रूपए प्रति माह की आसान ईएमआई पर टीवी खरीद सकते हैं। यह सुविधा 30 महीने तक उपलब्ध है। साथ ही ग्राहकों को जीरो डाउन पेमेंट और 1 ईएमआई की छूट का भी लाभ मिलेगा। त्योहारों के मौके पर सैमसंग कुछ चुनिंदा बैंक कार्ड्स पर 20% तक कैशबैक भी दे रहा है, जिससे प्रीमियम बड़े स्क्रीन टीवी का सपना और भी सुलभ और किफ़ायती हो गया है। त्योहारों के जश्न को और भी खास बनाते हुए, सैमसंग ने चुनिंदा बड़े स्क्रीन टीवी मॉडल खरीदने पर उपभोक्ताओं को फ्री सैमसंग साउंडबार (92,990 रूपए तक) या एआई टीवी (1,40,490 रूपए तक) का ऑफ़र दिया है। इससे ग्राहकों को घर बैठे ही असली सिनेमाई अनुभव मिलेगा। साथ ही, तीन साल की वारंटी भी दी जा रही है, ताकि लंबे समय तक भरोसा और मानसिक शांति बनी रहे। इन ऑफ़र्स में 55'', 65'', 75'', 85'', 98'', 100'' और 115'' तक के Vision AI-पावर्ड टीवी शामिल हैं। यह त्योहार घर में सैमसंग के सबसे एडवांस्ड बिग स्क्रीन इनोवेशन लाने का बेहतरीन मौका है। सैमसंग इंडिया में विजुअल डिस्प्ले बिजनेस के सीनियर डायरेक्टर विप्लेश डांग ने कहा, ÷सुपर बिग सेलीब्रेशंस के साथ हम सैमसंग के सबसे नए विज़न एआई टीवी भारतीय घरों तक ला रहे हैं। हमारा मकसद सिर्फ स्क्रीन बड़ी करना नहीं है, बल्कि मनोरंजन के अनुभव को और भी आसान, मजेदार और भागीदारीपूर्ण बनाना है, ताकि हर परिवार का त्योहार और भी खास बन सके। यह कैम्पेन हर घर में व्यक्तिगत और रोमांचक अनुभव देने के लिए है, जो दर्शकों को सिर्फ देखने तक सीमित नहीं रखता, बल्कि जोड़ता है।

अमेरिका ने 30 साल बाद 73 वर्षीय महिला हरजीत कौर को बेड़ियों में बांधकर बिना कोई वार्निंग दिए भारत किया डिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी।
डोनाल्ड ट्रंप के कड़े इमिग्रेशन रुख के बीच एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें अमेरिका में 30 साल से अपने परिवार के साथ रह रहीं 73 वर्षीय हरजीत कौर को बिना कोई वार्निंग दिए भारत वापस भेज दिया गया। पंजाब के मोहाली की रहने वाली हरजीत कौर ने लगभग 30 साल तक अमेरिका में अपने बच्चों और परिवार के साथ जीवन बिताया, लेकिन वैध दस्तावेजों के अभाव में अमेरिकी प्रशासन ने उन्हें भारत भेज दिया।

हरजीत कौर की गिरफ्तारी एक रूटीन इमिग्रेशन जांच के दौरान हुई, जिसके बाद उन्हें कड़ी सुरक्षा में लॉस एंजेलिस से जॉर्जिया तक ले जाया गया और फिर चार्टर्ड फ्लाइट के जरिए दिल्ली भेजा गया। इस पूरी प्रक्रिया में उन्हें हथकड़ी और बेड़ियों में बांधकर रखा गया, जो उनके परिवार और समुदाय के लिए बड़े आघात की बात बनी। उनका वकील दीपक आहलुवालिया ने बताया कि उनके घुटनों की हाल ही में सर्जरी हुई थी और लंबे समय तक कंबल पर फर्श पर सोने की वजह से उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ा। हरजीत कौर ने 1992 में अपने दो बेटों के साथ अमेरिका की राह पकड़ी थी, और 2012 में उनका असाइलम केस खारिज हो गया था। इसके बावजूद वे नियमित रूप से हर छह महीने में इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट के सामने रिपोर्ट करती रहीं। उनके परिवार ने अधिकारियों से भरोसा भी लिया था कि दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी होने तक वे अमेरिका में रह सकती हैं, लेकिन हालिया कार्रवाई ने सबको हैरान कर दिया। इस घटना के बाद, हरजीत के परिवार और समुदाय ने अमेरिकी प्रशासन के इस फैसले का विरोध करते हुए उनकी रिहाई की मांग की थी, लेकिन इसके बावजूद हरजीत को हिरासत में लेकर भारत भेजा गया।

सिर्फ 50 में हो गया इलाज! यूएस में लगते 1.7 लाख रुपए

भारत के हेल्थ सिस्टम से खुश हुई अमेरिकी महिला

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका की रहने वाली क्रिस्टन फिशर ने हाल ही में एक वायरल वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने भारत में स्वास्थ्य देखभाल की सस्ती और सुलभ प्रणाली पर अपनी हैरानी जताई। क्रिस्टन ने बताया कि उनके अंगूठे में चोट लगने के कारण उन्होंने दिल्ली के एक सरकारी अस्पताल का दौरा किया, और इलाज का खर्च सिर्फ 50 (लगभग 60 सेंट) आया। उन्होंने वीडियो में कहा कि यह उनके लिए पूरी तरह चौंकाने वाला अनुभव था।

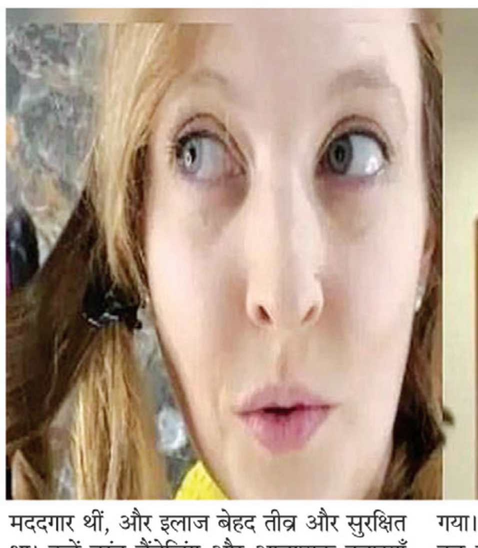

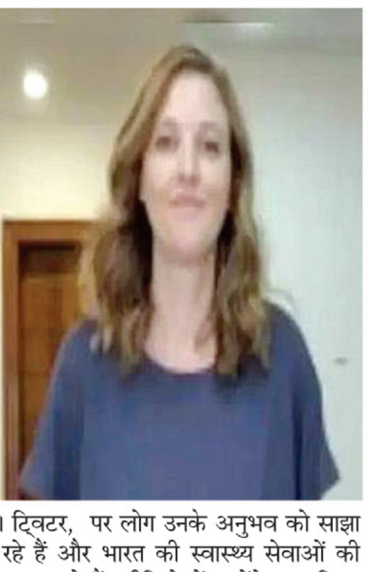

अमेरिका के मुकाबले भारी अंतरः क्रिस्टन ने बताया कि अगर वही इलाज अमेरिका में किया जाता, तो इसका खर्च लगभग 2,000 (लगभग 1.7 लाख) होता। उन्होंने कहा, यह अनुभव मेरे लिए दो कारणों से चौंकाने वाला था÷ पहला, अस्पताल मेरे घर से केवल 5 मिनट की दूरी पर था, और दूसरा, इलाज का खर्च मात्र 50 था।वे आगे कहती हैं कि भारत की स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली सुलभ, किफायती और प्रभावी है, जबकि अमेरिका में स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च बहुत अधिक है।

इलाज का अनुभवः क्रिस्टन ने अपने वीडियो में अस्पताल के अनुभव का भी विवरण दिया। उन्होंने बताया कि डॉक्टर और नर्सें बहुत मददगार थीं, और इलाज बेहद तीव्र और सुरक्षित था। उन्हें तुरंत बैंडेजिंग और आवश्यक दवाइयाँ मिल गईं, और कोई जटिल प्रक्रिया या लंबा इंतजार नहीं करना पड़ा।उन्होंने यह भी बताया कि अस्पताल की साफ-सफाई और प्रबंधन प्रणाली ने उन्हें आश्वस्त किया कि भारत में सरकारी स्वास्थ्य सेवाएँ उच्च गुणवत्ता वाली हैं।

सोशल मीडिया पर वायरलः क्रिस्टन का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। ट्विटर, पर लोग उनके अनुभव को साझा कर रहे हैं और भारत की स्वास्थ्य सेवाओं की तारीफ कर रहे हैं। वीडियो में उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत का स्वास्थ्य मॉडल सस्ती, तेज और भरोसेमंद है, जो विकसित देशों के मॉडल से कई मामलों में बेहतर है।विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में सरकारी अस्पतालों की सस्ती चिकित्सा सेवाएँ विशेष रूप से ग्रामीण और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए वरदान साबित होती हैं।

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को 5 साल जेल

92 लाख रुपए का जुर्माना, 2007 में लीबियाई तानाशाह से पैसे लेने की साजिश रची थी

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को पेरिस की एक अदालत ने गुरुवार को आपराधिक साजिश (क्रिमिनल कॉन्सपिरेसी) के आरोप में 5 साल जेल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उन पर 1 लाख यूरो (लगभग 92 लाख रुपए) का जुर्माना लगाया गया और 5 साल तक कोई सरकारी पद लेने पर रोक लगा दी गई है। यह मामला 2007 के राष्ट्रपति चुनाव में उनकी जीत के लिए लीबिया के तत्कालीन तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी की अवैध फंडिंग से जुड़ा है। हालांकि,

कोर्ट ने सरकोजी को भ्रष्टाचार जैसे अन्य आरोपों से बरी कर दिया। 70 साल के सरकोजी ने फैसले को कानून के खिलाफ बताते हुए ऊपरी कोर्ट में अपील करने का ऐलान किया है। निकोलस सरकोजी 2007 से 2012 तक फ्रांस के राष्ट्रपति रहे थे। उनकी पत्नी कार्ला ब्रूनी एक फेमस सिंगर और मॉडल हैं। **2007 के राष्ट्रपति चुनाव में अवैध फंडिंग से जुड़ा मामलाः** अदालत ने फैसला दिया कि सरकोजी ने अपने करीबी सहयोगियों के साथ मिलकर 2007 के इलेक्शन कैंपेन के लिए लीबिया से पैसे लेने की साजिश रची थी। हालांकि, यह साबित नहीं हो सका कि ये पैसा उनके कैंपेन में इस्तेमाल हुआ, इसलिए उन्हें भ्रष्टाचार जैसे अन्य आरोपों से बरी कर दिया गया। फिर भी, अदालत ने कहा कि यह साजिश गंभीर अपराध है, क्योंकि इससे लोगों का भरोसा टूटता है। सरकोजी को एक महीने के अंदर जेल जाना होगा। आधुनिक फ्रांस के इतिहास में यह पहली बार है जब किसी पूर्व राष्ट्रपति को जेल जाना पड़ेगा। सरकोजी ने सभी आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि यह मामला राजनीतिक साजिश है और गद्दाफी परिवार ने बदला लेने के लिए ये आरोप लगाए हैं। सरकोजी ने कहा- अगर उन्हें जेल में सोना पड़ा, तो वे सिर ऊंचा करके सोएंगे। सरकोजी ने 2011 में गद्दाफी को हटाने के लिए सैन्य हस्तक्षेप की वकालत की थी, जिसके बाद गद्दाफी की सत्ता खत्म हो गई और उनकी हत्या हो गई। सरकोजी का कहना है कि ये आरोप उसी का बदला हैं। अदालत ने सरकोजी को तुरंत जेल भेजने के बजाय एक महीने बाद हिरासत में लेने का आदेश दिया। इस मामले में 11 अन्य लोग भी आरोपी थे, जिनमें तीन पूर्व मंत्री शामिल हैं। सरकोजी सरकार में गृह मंत्री रहे क्लॉड गुएंट को 6 साल की सजा मिली, लेकिन खराब सेहत की वजह से उन्हें जेल नहीं जाना पड़ेगा। वहीं, पूर्व मंत्री ब्राइस होर्टेफ्यू को 2 साल की सजा मिली, जिसे वे इलेक्ट्रॉनिक टैग के साथ घर पर पूरी कर सकते हैं। इस मामले के एक अहम गवाह लेबनानी कारोबारी जियाद ताकिएदीन ने पहले कोर्ट को बताया था कि वे लीबिया से नकदी भरे सूटकेस फ्रांस लाए थे।

रूस दुनिया की पहली बंद ईंधन चक्र वाली परमाणु ऊर्जा प्रणाली शुरू करेगा

मास्को, एजेंसी।
रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को घोषणा की कि रूस 20230 तक दुनिया की पहली बंद ईंधन चक्र वाली परमाणु ऊर्जा प्रणाली शुरू करेगा। इसका मतलब यह है कि इस्तेमाल हुआ ईंधन कई बार पुन- उपयोग किया जा सकेगा और यूरेनियम की जरूरत बहुत कम हो जाएगी।

पुतिन ने यह घोषणा वर्ल्ड एटॉमिक वीक फोरम में की, जिसमें अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी समेत कई विश्व नेता मौजूद थे। उन्होंने कहा, 2030 की शुरुआत में, हम रूस के टॉम्स्क क्षेत्र में बंद ईंधन चक्र वाली दुनिया की पहली परमाणु ऊर्जा प्रणाली शुरू करने की योजना बना रहे हैं। यह रूसी वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की एक क्रांतिकारी उपलब्धि है। राष्ट्रपति पुतिन ने बताया कि इस्तेमाल हुए ईंधन का लगभग 95 फीसदी हिस्सा कई बार रिएक्टर में उपयोग किया जाएगा। इसके कारण रेडियोधर्मी कचरे की समस्या लगभग खत्म हो जाएगी और यूरेनियम की आपूर्ति की चिंता भी कम हो जाएगी। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों को सहयोग करने का भी आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण के लिए वित्तपोषण के लिए आधुनिक मॉडल विकसित करना और ऐसी परियोजनाओं में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों और विकास बैंकों को शामिल करना आवश्यक है।

जबरन नसबंदी केस में डेनमार्क प्रधानमंत्री ने माफी मांगी

कोपेनहेगन, एजेंसी। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने बुधवार को ग्रीनलैंड की महिलाओं से 60 पहले जबर्दस्ती की गई नसबंदी के लिए माफी मांगी है। इस नसबंदी का मकसद ग्रीनलैंड की जनसंख्या कंट्रोल करना था, जिसे अब नस्लीय भेदभाव का प्रतीक माना जाता है। ग्रीनलैंड, डेनमार्क का ही एक स्वायत्त क्षेत्र है, जिसका अपना पीएम है। दरअसल, 1960 और 1970 के दशक में, डेनमार्क के डॉक्टरों ने लगभग 4,500 ग्रीनलैंड की महिलाओं और लड़कियों को जबर्दस्ती गर्भनिरोधक डिवाइस लगाए थे। इसे स्पाइरल केस नाम से जाना जाता है। नाजा लाइबर्थ जिन्होंने सबसे पहले इस मामले के खिलाफ आवाज उठाई थी, उन्होंने कहा- आगे बढ़ने के लिए माफी बहुत जरूरी है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि इस केस की जांच में मानवाधिकार उल्लंघन की बात शामिल नहीं है। जांच में पता चला कि उस वक्त 12 साल की कई लड़कियों को भी इस तरह के डिवाइस लगाए गए थे। इन महिलाओं को बाद में भारी दर्द, खून बहना और कुछ को बांझपन जैसी समस्याएं झेलनी पड़ीं। कई महिलाओं ने बताया कि जब उन्होंने दर्द की शिकायत की, तो डॉक्टरों ने उनकी मदद नहीं की। कुछ ने खुद ही आईयूडी निकालने की कोशिश की, जिससे परेशानी और बढ़ गई।

चांद की सतह पर लग रही जंग रिपोर्ट ने वैज्ञानिकों को चौंकाया; वजह आई सामने

न्यूयॉर्क, एजेंसी।
कुछ प्राकृतिक घटनाएं ऐसी होती हैं, जिन्हें देखने के बाद वैज्ञानिक भी हैरान हो जाते हैं। ऐसी ही एक हालिया रिपोर्ट ने वैज्ञानिकों को परेशान किया है।

दरअसल, सामने आई एक रिपोर्ट में पता चला है कि चांद के ध्रुवीय इलाकों में हीनेटाइट नाम का एक खनिज पाया गया है। इसके सामान्य भाषा में आयरन ऑक्साइड या जंग के नाम से जाना जाता है। इस बीच सभी के मन में सवाल है कि चांद पर ना तो पर्याप्त मात्रा में पानी है और ना ही वहां पर ऑक्सीजन है, ऐसे में वहां जंग कैसे लग सकती है।

टीओआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स पत्रिका में छपी एक रिपोर्ट ने लोगों को हैरान किया है। हालांकि, सामने आई इस जानकारी ने चांद और धरती के रिश्ते को नए नजरिए से देखने का भी अवसर दिया है। रिपोर्ट के बाद कुछ वैज्ञानिकों ने दावा किया कि धरती के कारण ही चांद पर जंग लगी हैं।

वैज्ञानिक मान रहे हैं कि चांद पर हीमेटाइट बनने की प्रक्रिया की मुख्य वजह धरती की भूमिका हो सकती है। आम तौर पर जंग के लिए ऑक्सीजन और पानी दोनों की आवश्यकता होती है, लेकिन चांद इन संसाधनों की कमी है। शोध में पाया गया है कि जब चांद अपनी प्रक्रिमा करते हुए धरती की चुंबकीय पूंछ से होकर गुजरता है को पांच दिनों तक सूरज की हवाओं में वह कहीं छिप जाता है। ठीक इसी समय चांद पर सीधा असर डालने वाले कल पृथ्वी से निकलने वाली ऑक्सीजन होती है। इसके वैज्ञानिक भाषा में अर्थ विंड भी कहा जाता है। जैसे ही ये रिपोर्ट सामने आई, वैज्ञानिकों के मन में कई सवाल खड़े हुए। वैज्ञानिकों ने इस विचार की जांच के लिए लैब में एक अनोखा प्रयोग किया। लैब में वैज्ञानिकों ने ऑक्सीजन और हाइड्रोजन आयनों को तेज गति से लौह-युक्त खनिजों पर डाला। ये खनिज ठीक वैसे ही थे, जो आम तौर पर चांद की सतह पर मिलते हैं। इस दौरान वैज्ञानिकों ने चौंकाने वाला परिणाम पाया। इस प्रयोग के दौरान जब उच्च एनर्जी वाले ऑक्सीजन कण इन खनिजों से टकराए, तो उनमें हीमेटाइट बनने की प्रक्रिया देखने को मिली। वहीं, इस दौरान हाइड्रोजन के टकराने से यह प्रक्रिया आंशिक रूप से उलटी हो सकती है। इसका मतलब है कि जहां पर ऑक्सीजन जांच पर जंग बनाने में मदद कर रही है, वहीं हाइड्रोजन उसको धीमा करने की क्षमता रख रहा है।

साजिश धोखा को जो छिपाए, वही जीएसटी को उत्सव बताए : शाहिद भाई

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री शाहिद भाई ने भाजपा द्वारा जीएसटी रिफॉर्म को बचत उत्सव बताने पर तंज करते हुए कहा कि 8 साल तक केवल किसान, गरीब, मध्यम वर्ग परिवारों से 55 लाख करोड़ रूपये वसुले, यहां तक सावन माह में दूध-दही पर जीएसटी लगाकर धर्म कर्म पर भी करोड़ों रूपये वसूले गए। गब्बर सिंह टैक्स के कारण सर्वहारा वर्ग को आघात पहुंचाने का काम मोदी सरकार ने किया है। हमारे नेता राहुल गांधी एवं कांग्रेस ने जीएसटी के अनियमित स्लैब को प्रारंभ से लगातार आवाज उठाकर सरकार को जगाने का काम किया, किंतु लुट की मंशा से सरकार जनहित को अनदेखा कर वसूली में लगी रही, अब कांग्रेस की लोकतंत्र की हत्या वोट चोरी के मुद्दे से जनता का ध्यान भटकाने एवं अपनी गलती को छिपाने के लिए जीएसटी में बदलाव की नौटंकी कर उत्सव बता रही है। शाहिद भाई ने कहा कि गब्बर सिंह टैक्स के कारण बीते 8 साल में किसानों से कृषि यंत्रों, कीटनाशक, ट्रेक्टर एवं अन्य स्त्रोतों से लगभग 4000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त वसूली हुई। गरीब मध्यम वर्गी परिवार से हर माह लगभग 9 हजार करोड़ रुपया वसूला गया, जिससे उनकी बचत खत्म हुई। उद्योग व्यापार भी बंद के कगार पर हो गए, उसके लिए भाजपा की सरकार ही जिम्मेदार है।

भाजपा सरकार आज भी जीएसटी में दो स्लैब होने का दावा कर जनता को गुमराह कर धोखा दे रही है, जबकि सच्चाई यह है आज भी जीएसटी में 6 प्रकार के स्लैब है। कापी, किताब, पेंसिल, स्टेशनरी एवं कपड़े के कच्चे माल में जीएसटी 12 से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जो घोर अन्याय कारक हैं। नए प्रावधान में 17 वस्तुओं पर जीएसटी की दर 28 से बढ़ाकर 40 फीसदी, 19 वस्तुओं का 12 से 18 प्रतिशत किया गया है। आज भी 35 से अधिक कृषि उत्पाद जीएसटी के दायरे में हैं। इस प्रकार जीएसटी को 2 स्लैब होने का दावा झूठा है। भाजपा के नेता कपड़े या स्टेशनरी व्यवसाई के यहां जाकर पूछे जीएसटी के बारे में तब उत्सव बताने वाले भाजपाइयों को धरातल पता चलेगा। भाजपा की सरकार छल कपट कर आम जन को गुमराह करने का काम कर रही है।

खबर-खास

कस्तूरबा गांधी विद्यालय कुआकोंडा में न्योता भोज का आयोजन, शिक्षकों और बच्चों ने लिया स्वादिष्ट भोजन का आनंद

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। कुआकोंडा, कस्तूरबा गांधी विद्यालय कुआकोंडा में विकास खंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद भदौरिया के नेतृत्व में एक न्योता भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शाला के सभी शिक्षकों और बच्चों के लिए स्वादिष्ट व पौष्टिक भोजन तैयार किया गया तथा मिठाई वितरित की गई। कार्यक्रम में सहायक खंड शिक्षा अधिकारी मनोज राठौर, अधीक्षिका सीता बघेल, संकुल समन्वयक सर्वेश सविता, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्टाफऔर बच्चे शामिल हुए। यह आयोजन सभी के लिए एक यादगार अनुभव रहा।

डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स में रितिका वेट्टी का शानदार प्रदर्शन, स्वर्ण पदक जीता

दंतेवाड़ा, किरंदुल (समय दर्शन)। डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स 2025 में दिल्ली के डी.ए.वी., सी.एम.सी. की छात्रा रितिका वेट्टी ने 200 मीटर दौड़ को मात्र 32.00 सेकंड में पूरा कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस शानदार उपलब्धि के लिए 26 सितंबर, 2025 को विद्यालय द्वारा रितिका को 5100/- रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

विद्यालय के प्राचार्य एस.के. श्रीवास्तव ने रितिका के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और खेल शिक्षकों मनोज कुमार सिंह एवं तृप्ति प्रसाद की मेहनत की सराहना की। उन्होंने छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रेरित किया, यह कहते हुए कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण होता है।

एनएमडीसी, बचेली परियोजना के आस-पास के विभिन्न ग्रामों में स्वच्छता ही सेवा 2025 के अंतर्गत स्वच्छता जागरुकता मार्च का आयोजन

दंतेवाड़ा, किरंदुल (समय दर्शन)। एनएमडीसी, बचेली में "स्वच्छता ही सेवा 2025" कार्यक्रम के तहत दिनांक 28.09.2025 को विषय अनुरूप "स्वच्छता जागरुकता मार्च" के अंतर्गत ग्राम पंचायत गंजेनार व मसेनार के ग्राम पंचायत भवन के आसपास के क्षेत्रों में साफ़-सफ़ाई की गयी। जिसमें सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए। इसके अतिरिक्त पंचायतों के जनप्रतिनिधि, सरपंच, वार्ड पंच, कोटवार, पटेल व स्व सहायता समूह तथा अन्य की उपस्थिति रही। इस पहल का आरम्भ बचेली परियोजना प्रमुख श्रीधर कोडाली के मार्गदर्शन से किया गया है, एवं इसका संचालन सीएसआर व मानव संसाधन विभाग द्वारा किया गया। इसी कड़ी में बचेली परियोजना के द्वारा स्वच्छता मार्च का आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत सीएसआर विभाग, बचेली द्वारा आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छ रखने व स्वच्छ रहने से होने वाले लाभ के बारे में जागरुक किया गया। इस अवसर पर जोसी थॉमस, उप-महाप्रबंधक (मा. सं.) सीएसआर, एनएमडीसी, बचेली द्वारा ग्रामीणों को स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया।

लगातार वर्षा से गंगरेल बांध का जलस्तर बढ़ा, महानदी किनारे रहने वाले ग्रामों को सतर्क रहने की अपील

महासमुंद (समय दर्शन)। रविशंकर सागर बांध (गंगरेल) का जलभराव स्तर लगातार वर्षा के कारण तेजी से बढ़ रहा है। शुक्रवार रात 8 बजे की स्थिति में बांध का जलभराव 94.82 प्रतिशत दर्ज किया गया, जिसमें 17,356 क्यूसेक पानी की आवक रही। इस दौरान सिंचाई हेतु 3,700 क्यूसेक एवं महानदी नदी में 4,026 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

ज्ञात है कि शनिवार सुबह 11 बजे तक बांध का जलभराव 94 प्रतिशत हो चुका था। बांध के कैचमेंट क्षेत्र में लगातार वर्षा के चलते लगभग 15,000 क्यूसेक पानी की आवक दर्ज हुई है। मौसम की स्थिति को देखते हुए पानी की आवक 25,000 क्यूसेक तक पहुँचने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में जलस्तर नियंत्रित करने हेतु बांध से प्रति घंटे लगभग 4,000 क्यूसेक पानी महानदी नदी में छोड़े जाने की संभावना व्यक्त की गई थी।

महासमुंद जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता अजय खरे ने जानकारी दी कि महानदी नदी के किनारे बसे ग्रामवासियों को सतर्क किया जा रहा है। साथ ही, उच्च अधिकारियों को अग्रिम कार्यवाही हेतु सूचित कर दिया गया है, ताकि संभावित बाढ़ की स्थिति में किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

कमला कॉलेज में महिला स्वास्थ्य पर जागरूकता संगोष्ठी एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

राजनांदगांव (समय दर्शन)। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सेवा पखवाड़ा (17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2025) के अंतर्गत शासकीय कमला देवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत महिला स्वास्थ्य जागरूकता संगोष्ठी एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का विषय-ईट राईट, स्लीप राईट, हेव ए हेल्दी लाईफस्टाईल रहा। आयोजन यूथ रेड क्रॉसए एनएसएस एवं एनण्सीसी के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. एनआर नवरत्न (मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी) ने राज्य व केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। डॉ. प्रकाश खुटे (एसोसिएट प्रोफेसर, मेडिसिन) ने संतुलित आहार की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अच्छा भोजन, अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है।

डॉ. धीरज भवनानी (डीएनबी एनेस्थीसिया) ने ष्स्लीप राइटष् विषय पर कहा कि नींद की गुणवत्ता बेहतर स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य है। डॉ. पूजा मेश्राम ने छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहते हुए परिवार को भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया।

डॉ. सौम्या चेलक ने आइडियल लाइफस्टाइल विषय पर कहा कि चमकता चेहरा, स्वस्थ शरीर की पहचान है। वहीं डॉ. लक्की नेताम ने व्यायाम को दीर्घायु जीवन का आधार बताया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. साक्षी गजभिये द्वारा छात्राओं का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वहीं नर्स ज्योति यादव एवं नलिनी सागरे द्वारा औषधियों का नि: शुल्क वितरण किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओंकार लाल श्रीवास्तव ने महिला स्वास्थ्य और पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में जानकारी दी। महाविद्यालय की जनभागीदारी अध्यक्ष सुश्री मणीभास्कर गुप्ता ने नारी सशक्तिकरण पर प्रेरणादायी उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती नीलम राम धनसाय (सहा. प्राध्यापक रसायनशास्त्र एवं यूथ रेड क्रॉस अधिकारी) ने किया। श्रीमती रामकुमारी धुर्वा (संगीत विभाग, एनएसएस अधिकारी) ने सेवा पखवाड़ा की संकल्पना एवं स्वच्छता पर संक्षिप्त वक्तव्य दिया।

कार्यक्रम के अंत में श्रीमती नंदिनी चंद्रवंशी (सहा. प्राध्यापक, एनसीसी अधिकारी) ने आभार प्रदर्शन कर आयोजन के समापन की घोषणा की।

पालिका उपाध्यक्ष बबलू सिद्दीकी ने उठाया गड्ढों को भरने का बीड़ा, नवरात्रि पदयात्रियों को मिली राहत

दंतेवाड़ा, किरंदुल (समय दर्शन)। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर, किरंदुल के गौरव पथ पर जगह-जगह हुए गड्ढों से परेशान लोगों को राहत देने के लिए नगर पालिका उपाध्यक्ष बबलू सिद्दीकी ने अपनी टीम के साथ मिलकर एक सराहनीय पहल की। नवरात्रि के दौरान भारी संख्या में माता दंतेश्वरी के दर्शन के लिए पैदल यात्रा करने वाले भक्तों की सुविधा के लिए सिद्दीकी ने स्वयं गड्ढों को भरने का बीड़ा उठाया।

पिछले कई दिनों से स्थानीय प्रशासन और एनएमडीसी प्रबंधन से सड़कों के गड्ढों को भरने की मांग की जा रही थी, लेकिन कोई कार्रवाई न होने से नाराज सिद्दीकी ने अपने साथी पार्षदों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं, समाजसेवियों और पत्रकारों के साथ मिलकर यह कार्य शुरू किया। अकेला ही चला था जानिबे मंजिल मगर, लोग साथ आते गए और कारवां बनता गया की तर्ज पर लोग जुड़ते गए और बस स्टैंड से कोडेनार नंबर 4 स्थित पेट्रोल पंप तक के सभी गड्ढों को भरने का काम शुरू हो गया। बबलू सिद्दीकी ने बताया, नवरात्रि में सैकड़ों भक्त किरंदुल से पैदल दंतेवाड़ा माता दंतेश्वरी के दर्शन के लिए जाते हैं। रात के समय इन गड्ढों से दुर्घटना का खतरा रहता है। हमने प्रशासन से बार-बार अनुरोध किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसलिए, हमने खुद यह जिम्मेदारी ली। आज आधे से ज्यादा गड्ढे भर दिए गए हैं, और बाकी को कल तक पूरा कर लिया जाएगा।

इस नेक कार्य में जोविन्स पापाचन, राजू रेड्डी, अमित टंडन, राजू कुंजाम, किशोर रामटेके, रवि सरकार, बाल सिंह कश्यप, दिनेश प्रसाद सहित कई अन्य लोग शामिल रहे। इस पहल ने न केवल नवरात्रि पदयात्रियों को राहत दी, बल्कि किरंदुल नगर के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण भी प्रस्तुत किया। जब प्रशासन जनता की समस्याओं पर ध्यान न दे, तब बबलू सिद्दीकी जैसे नेताओं और समाजसेवियों का यह प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय है, जो अपने दम पर और जोखिम उठाकर जनहित के कार्यों को अंजाम देते हैं।

सामूहिक दुष्कर्म मामले के तीनों आरोपी 36 घंटे के भीतर गिरफ्तार

कवर्धा (समय दर्शन)। एक आदिवासी युवती के साथ गैंगरेप मामले के सभी तीन आरोपियों को पुलिस ने 36 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया है। गिरफ्तार आरोपियों में 1. जितेन्द्र खरे उर्फ जित्तु पिता दिलीप खरे 22 वर्ष उर्जा पार्क के पास, वार्ड 09, कवर्धा 2. नसीम अहमद उर्फछोटू पिता नफीस खान 25 वर्ष निवासी वार्ड 22 एकता चौक 3. मोहम्मद सरफराज उर्फ सफ्फु पिता मोहम्मद अयूब 21 वर्ष निवासी डालडापारा, आदर्शनगर, कवर्धा शामिल है। सभी आरोपियों का नगर में जुलूस निकालने के बाद जेल भेज दिया गया है। पीड़िता की रिपोर्ट पर महिला थाना कवर्धा में अपराध क्रमांक 43/2025 धारा 70 (1), 351 (3) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। रिपोर्ट के अनुसार तीन युवकों ने पीड़िता को जबरन बाइक पर बैठाकर सुनसान स्थान पर ले जाकर बारी-बारी से बलात्कार किया और घटना की जानकारी किसी को देने पर जान से मारने की धमकी दी।

घटना के बाद पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज अभिषेक शांडिल्य (भा.पु.से.) स्वयं मामले की मॉनिटरिंग करते रहे। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह (भा.पु.से.) के नेतृत्व में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल एवं पंकज पटेल और जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी डीएसपी अखिलेश कौशिक, प्रतीक चतुर्वेदी, कृष्ण कुमार चंद्राकर एवं आशीष शुक्ला के पर्यवेक्षण में कई विशेष टीम गठित की गईं।

इन टीमों ने अलग-अलग मोर्चों पर कार्यवाही की अपराधियों की धरपकड़, तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल लोकेशन का परीक्षण, तथा मुखबिर तंत्र के जरिए प्राप्त सूचनाओं का मिलान। इसी क्रम में बड़े पैमाने पर छापामार कार्यवाही की गई और पूरे जिले से लगभग 150 से 200 संदेहियों को थानों में लाकर गहन पूछताछ की गई। पूछताछ से मिले अहम सुरागों को तकनीकी शाखा की जानकारी और डिजिटल साक्ष्यों से जोड़कर आरोपियों की शिनाख्त सुनिश्चित की गई।

इसके बाद पुलिस टीमों ने सघन घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को हिरासत में लिया। कार्यपालिक दंडाधिकारी की उपस्थिति में पीड़िता ने आरोपियों की पहचान की तथा आरोपियों ने अपराध को स्वीकार भी किया। जांच से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि तीनों आरोपी आदतन अपराधी हैं, जो चोरी जैसे मामलों में पहले भी जेल जा चुके हैं। कबीरधाम पुलिस आम जनता को आश्वस्त करती है कि दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराधों के प्रति हमारी नीति जीरो टॉलरेंस की है। ऐसे अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह स्पष्ट चेतावनी दी जाती है कि महिलाओं और बच्चियों की गरिमा एवं सुरक्षा के खिलाफ अपराध करने वाला कोई भी व्यक्ति कानून के शिकंजे से बच नहीं सकता। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए गठित टीम में निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला, रूपक शर्मा, लालजी सिन्हा, योगेश कश्यप, मनीष मिश्रा, उमाशंकर राठौर, महेश प्रधान, अमित कश्यप, संतोष मिश्रा, महिला थाना प्रभारी उप निरीक्षक श्रीमती भुनेश्वरी साहू राठौर के साथ साथ साइबर सेल, थाना कोतवाली और जिले के सभी थाना के टीम का विशेष योगदान रहा।

शिविर के माध्यम से पीएम सूर्यघर योजना पखवाड़ा का आयोजन

300 यूनिट तक बिजली का होगा उत्पादन

गरियाबंद (समय दर्शन)। केन्द्र सरकार द्वारा लोगों के घर में ही बिजली उत्पादन कर उन्हें मुफ्त बिजली का लाभ देने प्रधानमंत्री सूर्यघर बिजली योजना का संचालन किया जा रहा है ।इस योजना के तहत लोगों को अपने घरों में रूफ्टॉप सोलर प्लांट लगाने के लिए प्रोत्साहित करने शनिवार को विद्युत विभाग में पखवाड़ा शिविर का आयोजन किया गया। इसी तारतम्य मे लोगों को पीएम सूर्य घर योजना के संबंध में जागरूक करने शिविर के माध्यम से जागरूक किया गया ।जागरूकता के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी इलाकों मे पोस्टर,बैनर,फ्लैक्स के माध्यम से लोगों को इस योजना का लाभ लेने के लिए जागरूक किया जायेगा ।इस योजना से लोगों को पीएम सूर्य घर योजना का लाभ लेने के लिए अपने घरों में रूफ्टॉप सोलर प्लांट लगाने की अपील की ।इस योजना से घर में ही बिजली उत्पादन होने से मुफ्त बिजली का लाभ मिल सकेगा। घर में सोलर सिस्टम लग जाने से सूर्य की रौशनी से ऊर्जा का उत्पादन होगा। जिससे लोगों को घरेलु उपयोग के लिए मुफ्त में बिजली मिल सकेगी। इस योजना के तहत तीन किलोवाट क्षमता के रूफ्टॉप सोलर संयत्र स्थापित करने से प्रतिमाह 300 यूनिट तक बिजली उत्पादित होगी ।शासन द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को अपने घरों में 1, 2 एवं 3 किलोवाट क्षमता के संयत्र स्थापित करने की सुविधा दी जा रही है ।इसमें उपभोक्ताओं को शासन की ओर से विशेष रियायत भी दी जायेगी ।इसके तहत सोलर प्लांट लगाने के लिए 30 हजार से 78 हजार रूपये तक का अनुदान दी जा रही है। शेष राशि को बैंक के माध्यम से चुकाने के लिए ऋ्रण भी प्रदान किया जायेगा।

शासकीय महाविद्यालय हसौद में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन, छात्रों को दी गई कानूनी जानकारी

सक्ती (समय दर्शन)। सक्ती जिले के शासकीय महाविद्यालय हसौद में शुक्रवार को विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों को उनके कानूनी अधिकारों एवं कर्तव्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से साइबर क्राइम, मोटर व्हीकल एक्ट, बाल अधिकार, लैंगिक उत्पीड़न, बाल विवाह और महिला सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

शिविर में हसौद थाना प्रभारी नरेंद्र यादव ने छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध से बचाव, ऑनलाइन धोखाधड़ी, तथा मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत ट्रैफिक नियमों के पालन की आवश्यकता के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को कानून की सही जानकारी होना बेहद जरूरी है ताकि वे स्वयं सुरक्षित रहें और समाज में जागरूकता फैला सकें। कार्यक्रम में उपस्थित पी.एल.व्ही. श्रीमती शांति कुर्रे ने छात्रों को बाल अधिकारों, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, बाल श्रम, बाल यौन शोषण, तथा बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों के लिए संचालित हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 1091 एवं नालसा हेल्पलाइन 15100 की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए इनका अधिकतम लाभ उठाने की अपील की।

श्रीमती कुर्रे ने **NALSA** (राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण) की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी साझा की, जिनमें प्रमुख रूप से: **NALSA** बच्चों को विधिक सेवाएं एवं संरक्षण योजना, 2015, सक्ती तस्करी और वाणिज्यिक यौन शोषण पीड़ितों को विधिक सेवाएं योजना, 2015 शामिल रहीं।

उन्होंने छात्राओं को महिला सुरक्षा अभिव्यक्ति मोबाइल ऐप के बारे में भी जानकारी दी और इसे डाउनलोड कर इस्तेमाल करने की सलाह दी, ताकि किसी भी आपात स्थिति में वे त्वरित सहायता प्राप्त कर सकें। शिविर में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की सहभागिता रही। सभी ने कार्यक्रम को बेहद उपयोगी बताया और कानूनी जागरूकता को शिक्षा का आवश्यक हिस्सा मानते हुए भविष्य में ऐसे आयोजनों की निरंतरता की मांग की। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन संयुक्त सचिव
छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

सार्वजनिक सूचना

क्रमांक/2031/भू-अर्जन/आ.क्र.नि.-2025 — दुर्ग, दिनांक 15.09.2025

चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि की भनसुली- खम्हरिया पहुंच मार्ग निर्माण/ चौड़ीकरण एवं सड़क उन्नयन विकास कार्य में ग्राम डंगनिया, प.ह.नं. 37 तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) के निजी भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति 2016 के प्रावधानों के तहत अनुसूची में वर्णित भूमि को कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग, दुर्ग (छ.ग.) के पक्ष में क्रय करने का विचार किया जा रहा है.

क्र.	भूमि स्वामी का नाम व पिता/पति का नाम	क्रय की जाने वाली भूमि का विवरण		स्थावर संपत्तियों का विवरण
		खसरा नंबर	रकबा (व.मी. में)	
1	2	3	4	5
1	अंजू पति कमलेश	501	201.45	-
		514/1	340.00	-
2	अमन वर्मा पिता कमलेश वर्मा	514/2	336.60	-
3	टिकेश्वर पिता नोहर, प्रभाबाई बे पति नोहर, भगवान लाल पति बंशीलाल, ज्ञानलाल पति बंशीलाल, तोखनलाल पति बंशीलाल, लीलाधर पति बंशीलाल, ईशबती पति बंशीलाल	492	14.00	-
4	गोपी, जया, भारती ना.बा. (नाबालिग) पिता संतोष कुमार पालक मां राधाबाई, राधाबाई पति संतोष कुमार	502/3	190.40	-
5	अनिता पिता सीताराम, लक्ष्मण पिता रामजी, विद्या पति सीताराम	485/1	1015.00	-
6	पुरानिक पिता परसादी	513	616.00	-
	योग-	07	2713.45	-

02- यह भी सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को भूमि के स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की तिथि के 15 दिवस के भीतर अपना दावा आपत्ति आधार सहित लिखित में कलेक्टर, दुर्ग के समक्ष स्वयं अथवा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है.

(अभिजीत सिंह)
कलेक्टर, जिला दुर्ग (छ.ग.)
एवं पदेन संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी- 252603759/1

दैनिक समय दर्शन

web: - www.samaydarshan.in

छत्तीसगढ़

दुर्ग, सोमवार 29 सितंबर 2025

संक्षिप्त-खबर

1 अक्टूबर तक होगा भव्य रास-गरबा, गांधी मैदान में तैयारियां जोरों पर

गरियाबंद (समय दर्शन)। सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति गांधी मैदान के तत्वावधान में 28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक भव्य रास-गरबा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा ।आयोजन को लेकर गांधी मैदान में तैयारियां तेज हो चुकी हैं ।इसे लेकर पूरे शहर में उत्साह का माहौल है ।ज्ञात हो कि आयोजन को लेकर यह लगातार चौथा वर्ष है।

इधर, गरबा महोत्सव से पहले स्थानीय महिलाओं और बच्चों को मंगल भवन में प्रतिदिन गरबा का अभ्यास कराया जा रहा है ।यहां उन्हें गरबा की विभिन्न विधाओं,पारंपरिक ताल और नृत्य की बारीकियां सिखाई जा रही हैं ।रोजाना प्रेक्टिस में बड़ी संख्या में युवतियां और महिलाएं पहुंच रही है। इसी से उत्साह का झलक रहा है। इस संबंध में समिति के अध्यक्ष विनय दासवानी ने बताया कि पंजीयन की प्रक्रिया भी जारी है, जिसमें अब तक 600 से अधिक लोगों ने नाम दर्ज करा लिया है ।उन्होंने बताया कि आयोजन के दौरान प्रतिदिन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके साथ ही अंतिम दिन विजेताओं पर विशेष पुरस्कारों की बौछार होगी। प्रतिभागियों के लिए ड्रेस कोड भी तय किया गया है। चार दिवसीय गरबा के दौरान छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कलाकार और इंफ्लूसर धनेश साहू, प्रकाश अवस्थी, इशिका यादव, हर्षाली चौहान, इशिका वादवानी भी शामिल होंगे।

पीपरछेड़ी हाट बाजार में वोट चोरी रोकने हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ

गरियाबंद (समय दर्शन)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गरियाबंद अध्यक्ष मोहम्मद हाफिज़ खान के नेतृत्व में पिपरछेड़ी मंडल एवं सेक्टर अध्यक्ष सदस्यों द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार पीपरछेड़ी हाट बाजार में वोट चोरी हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की गई।

अभियान का उद्देश्य भारत निर्वाचन आयोग से यह मांग करना है कि मशीन रीडेबल मतदाता सूची को फेटो सहित सार्वजनिक जांच के लिए उपलब्ध कराया जाए। साथ ही हर चुनाव से पहले विलोपन और जोड़ की सूचियों को तस्वीरों सहित प्रकाशित करने,गलत तरीके से नाम हटाए जाने पर त्वरित शिकायत निवारण प्रणाली लागू करने तथा अंतिम समय पर नाम जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया पर रोक लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। वही ब्लॉक अध्यक्ष हाफिज़ खान ने कहा कि मतदाता दमन में शामिल अधिकारियों और एजेंटों पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। इसी मकसद से यह अभियान चलाया जा रहा है,जिसमें सभी बूथों पर जाकर मतदाताओं से हस्ताक्षर करवाए जाएंगे और उन्हें वोट चोरी रोकने के प्रति जागरूक किया जाएगा ।उन्होंने बताया कि इस अभियान में युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से बढ़ाई जा रही है,ताकि लोकतंत्र की रक्षा और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित हो सके।

शक्तिधाम महाकाली मंदिर में पंचमी पर मां महाकाली का भव्य श्रृंगार, 56 छत्तीसगढ़ी व्यंजनों से भोग अर्पित

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शहर के वार्ड नंबर 1 बाबुटोला स्थित शक्तिधाम महाकाली मंदिर में शारदीय नवरात्र महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। नवरात्र के पंचमी के शुभ अवसर पर मां महाकाली का विशेष मनोरम श्रृंगार किया गया, जिसे देखने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। माता को इस अवसर पर 56 प्रकार के पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया।

मंदिर में आयोजित महाआरती के बाद जस जगराता का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी रही। भक्तगण देर रात तक माता के भजनों में झूमते रहे। शक्तिधाम महाकाली मंदिर के प्रमुख गुरुदेव हरीश यादव ने बताया कि इस वर्ष नवरात्र महोत्सव में श्रद्धालुओं की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। आज के दिन भक्तों की आम दिनों की तुलना में ज्यादा भीड़ रही। मंदिर समिति के सदस्यों के साथ दर्शक भी स्वेच्छा से पकवान अर्पित करते नजर आए। मंदिर समिति के अध्यक्ष अखिलेश बंजारा ने बताया कि आगामी अष्टमी तिथि को सर्व व्याधि निवारण हेतु उड्डीस तंत्र के तहत 21 साधकों द्वारा अभिमंत्रित धूप निःशुल्क वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही निःसंतान दंपतियों के लिए माता की अर्जी, श्रीफल व अभिमंत्रित औषधि भी निःशुल्क प्रदान की जाएगी। अभिमंत्रित धूप एवं औषधि के लिए नामांकन 29 सितंबर की रात 8 बजे तक अनिवार्य है।

ग्राम भुजियामुड़ा में तैयार हुआ विजन प्लान 2030

आदि कर्मयोगी अभियान के माध्यम से ग्राम विकास का नया अध्याय

गरियाबंद (समय दर्शन)। जनजातीय कार्य मंत्रालय के महाभियान आदि कर्मयोगी अभियान के तहत विकासखंड गरियाबंद के ग्राम भुजियामुड़ा में आज विलेज विजन प्लान 2030 तैयार करने की प्रक्रिया की गई ।कलेक्टर भगवान सिंह उईके,जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर एवं जनपद पंचायत सीईओ गरियाबंद के.एस.नागेश के मार्गदर्शन में विकासखंड स्तरीय अधिकारी तथा ग्रामवासी आदि कर्मयोगी अभियान के सुचारू संचालन के लिए मौजूद रहे।

बैठक के दौरान ग्रामवासियों के साथ चर्चा कर ग्राम का सामाजिक मानचित्र एवं संसाधन मानचित्र तैयार किया गया ।इसमें आधारभूत संरचना जैसे सड़क, पेयजल आपूर्ति, स्वास्थ्य, आवास, विद्युत व्यवस्था,पोषण एवं शिक्षा जैसे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श कर उन्हें विजन प्लान 2030 में शामिल किया गया ।आगामी 2 अक्टूबर को आयोजित होने वाली ग्रामसभा में इस विजन प्लान का अनुमोदन कर भारत सरकार को प्रेषित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत ग्राम स्तर पर आदि सेवा केंद्र की परिकल्पना की गई है। जनजातीय बहुल गांवों में स्थापित इन केंद्रों के माध्यम से अधिकारी और समुदाय के सदस्य हर पखवाड़े 'आदि सेवा समय' में 1-2 घंटे देकर स्थानीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे, युवाओं को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे और शासन की पहल का समर्थन करेंगे ।इसके साथ ही शासन प्रयोगशाला कार्यशालाओं का आयोजन राज्य से लेकर ग्राम स्तर तक किया जाएगा ।इन कार्यशालाओं में विभिन्न विभाग मिलकर जनजातीय विकास के लिए सामूहिक समाधान तैयार करेंगे।

आदि कर्मयोगी अभियान का उद्देश्य है कि जनजातीय ग्राम कार्य योजना के माध्यम से ग्रामीण और अधिकारी मिलकर ग्राम विजन 2030 का निर्माण करें,जो सतत विकास लक्ष्यों एवं समावेशी विकास की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के अनुरूप हो। इस अवसर पर अधिकारियों ने उपस्थित ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं एवं हस्तक्षेपों की जानकारी दी तथा यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि इन योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक के लोगों तक पहुंचे।

सेमरिया में विद्यालय और ग्राम पंचायत की संयुक्त पहल स्वच्छता पखवाड़ा और स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम से दिया स्वच्छता का संदेश

नंदिनी अहिवारा (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत सेमरिया,संकुल सेमरिया विकासखंड धमधा जिला दुर्ग में शासकीय प्राथमिक,पूर्व माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक शाला सेमरिया और ग्राम पंचायत के जन प्रतिनिधियों द्वारा निरंतर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके स्वच्छता का संदेश दे रहे है ।तीनो ही शालाओं के एसएमसी एसएमडीसी के सदस्यो द्वारा सहभागिता निभाई जा रही है ।ग्राम पंचायत सेमरिया के सरपंच श्री मती पुष्पलता मोहित बंजारे के नेतृत्व में 25 सितंबर 2025 को शाला परिवार द्वारा शिक्षको,छात्रों एसएमसी सदस्यों,ग्रामीण जनों के द्वारा स्वच्छता महारैली हायर सेकेण्डरी स्कूल से प्राथमिक,उच्च प्राथमिक शाला सेमरिया,पूरे बस्ती से होते हुए अमृत सरोवर तक नारा लगाते हुए निकाला गया ।एक दिन, एक घंटा, एक साथ श्रमदान का आयोजन करते हुए साफसफाई किया गया ।26 सितम्बर 2025 को विद्यालय स्तर में देश में स्वच्छता को बढ़ावा देने वाले स्वच्छता आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम,नुक्कड़ नाटक का आयोजन एवं बाल पंचायत ,रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता, वाद-विवा प्रतियोगिता (विषय-स्वच्छता पर सरकार की जिम्मेदान बनाम हमारी जिम्मेदारी) बेहतर प्रदर्शन छात्रों द्वारा किया ,इस अवसर पर ग्राम पंचायत सेमरिया के सरपंच श्री मती पुष्पलता मोहित बंजारे, उपसरपंच श्री सतबोधी बंजारे, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ऊषा सोनवानी, जनपद पंचायत सदस्य धमधा राजेश साहू,विधायक प्रतिनिधि छ्बीराम साहू, एसएमडीसी अध्यक्ष मुरली रजक,सदस्य कामता प्रसाद साहू,वासुदेव देवांगन, ठाकुर राम साहू,संकुल प्रभारी रमेश कुमार ठाकुर, संकुल समन्वयक सूर्यकान्त हरदेल,प्रधान पाठक मिताली दास, प्रधान पाठक कुलवंतीन चेलक,संगीता पाटिल,रीना साहू, राजश्री बोस, नीरजा सिंह, गायत्री ठाकुर,रीतू बघेल, गीतांजली साहू, बिंदु टंडन,कमलेश ताम्रकार,देवेंद्र कुमार देवांगन, अजय तिग्गा,अनरजीत राय,संतोष कुमार मनहर, संतोष कुमार पात्रे, भरत लाल साहू, सावित्री महिलांग,आरती देवांगन, शिक्षको, कर्मचारियों और छात्रों ने स्वच्छता का संदेश से प्रेरित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखता हैं, बल्कि अनुशासन और टीम भावना को भी मजबूत करता है-विधायक कोर्सेवाड़ा

दुर्ग बना खेल प्रतिभाओं का केंद्र, भिलाई में हुआ क्रीडा महाकुंभ का समापन समारोह

दुर्ग (समय दर्शन)। खेल प्रतिभाओं को निखारने और युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता-2025 का समापन आज एसएनजी विद्यालय, सेक्टर-4, भिलाई में भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन 25 सितम्बर 2025 से प्रारंभ हुआ था, जिसमें सरगुजा, बस्तर, बिलासपुर, दुर्ग और रायपुर के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह की अध्यक्षता अहिवारा विधायक श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा ने की। 25वीं राज्य स्तरीय साल क्रीडा प्रतियोगिता में ऑल ओवर चैम्पियन का ख़िताब दुर्ग संभाग के नाम रहा।

अहिवारा विधायक श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा ने सभी प्रतिभागियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए विधायक श्री कोर्सेवाड़ा ने खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि जो विद्यार्थी अपने जिलों में पुरस्कार लेकर पहुंचेंगे, उन्हें न केवल जिला शिक्षा अधिकारी बल्कि पूरा समाज सम्मानित करेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया और कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखते हैं, बल्कि अनुशासन और टीम भावना को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि हार को कभी अंतिम नहीं मानना चाहिए, बल्कि प्रयास करते रहना चाहिए। प्रयास करने वालों की कभी हार नहीं होती। इस आयोजन के माध्यम से दुर्ग जिले को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की मेजबानी करने का गौरव प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम प्रेरणादायक संदेश देते हैं। प्रधानमंत्री भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए छात्रों को भी जोड़ा है, क्योकि भारत के विकास की राह शिक्षा और खेलों के समन्वय से होकर ही जाती है। शिक्षा विभाग को उन्होंने ऐसा कारखाना बताया जहां से देश के भविष्य के इंजीनियर, डॉक्टर और पायलट तैयार होते हैं। राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का यह आयोजन न केवल प्रतिभाओं को मंच देने का माध्यम बना,

बल्कि युवाओं को स्वस्थ जीवन और सकारात्मक सोच की दिशा में प्रेरित भी किया। विधायक श्री कोर्सेवाड़ा ने बताया कि वे भी शिक्षक रह चुके हैं और उन्होंने अपने कार्यकाल में खेलों को हमेशा महत्व दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर में खेलों की हुई शुरुआत का उल्लेख करते हुए कहा कि आज बस्तर खेल क्षेत्र में एक प्रमुख नाम बना चुका है। विशिष्ट अतिथि खादी ग्रामोद्योग अध्यक्ष श्री राकेश पाण्डेय ने भी युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए सबसे पहले स्वस्थ रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जीत और हार जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन असफलता से घबराए बिना आत्मविश्वास के साथ पुनः प्रयास करने से सफलता अवश्य मिलती है। प्रतियोगिता में फेंसिंग, नेटबॉल, ट्रैक साइक्लिंग, लॉन टेनिस, जूडो और टेबल टेनिस (बालक/बालिका वर्ग) जैसे रोमांचक खेलों का आयोजन किया गया था, जिसमें राज्य भर के युवा खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

जिले में दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए परीक्षण शिविर सम्पन्न

बड़ी संख्या में हितग्राही हुए लाभांवित

गरियाबंद (समय दर्शन)। भारत सरकार की एडिप एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना अंतर्गत जिले के पात्र दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग प्रदाय किए जाने हेतु आज स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम स्कूल परिसर गरियाबंद में परीक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम जबलपुर के सहयोग से किया गया। शिविर में पात्र दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनकी आवश्यकतानुसार मोटराइज्ड

ट्राईसायकल, श्रवण यंत्र, बैसाखी,कृत्रिम अंग सहित विभिन्न सहायक उपकरण उपलब्ध कराए गए। शिविर के दौरान पंजीयन काउंटर पर हितग्राहियों की लंबी कतारें देखी गईं ।बड़ी संख्या में दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिक अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित हुए और योजनाओं का लाभ प्राप्त किया। इस दौरान नगर पालिका गरियाबंद अध्यक्ष रिखीराम यादव,कलेक्टर बी एस उईके उपाध्यक्ष आशिफ मेमन शिविर स्थल पहुंचे ।उन्होंने शिविर की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया ।पंजीयन काउंटर स्वास्थ्य परीक्षण कक्ष तथा उपकरण वितरण व्यवस्था का जायजा लिया ।इस अवसर पर उन्होंने हितग्राहियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। शिविर में कलेक्टर श्री उईके ने कहा कि शासन की मंशा है कि जिले का कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं से वंचित न रहे। उन्होंने अधिकारियों को शिविर की सभी व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने और हितग्राहियों को सहज एवं त्वरित सेवा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ।शिविर में शामिल होकर लाभांवित हुए हितग्राहियों ने शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि इन योजनाओं से उन्हें जीवनयापन में सुविधा एवं आत्मनिर्भरता प्राप्त होगी ।कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग के उप संचालक डी पी ठाकुर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

सागौन की अवैध लकड़ी से फर्नीचर निर्माण का भंडाफोड़, दो लाख की सामग्री जब्त

बालोद (समय दर्शन)। जिले में वन विभाग को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। दल्लीराजहरा वन परीक्षेत्र की टीम ने घोठिया गांव में छापा मारकर अवैध रूप से सागौन की लकड़ी से फर्नीचर बनाने के कारोबार का खुलासा किया है। छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में कीमती लकड़ियाँ और तैयार फर्नीचर जब्त किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम भैसबोड़ निवासी विकास देवांगन, अपने पिता देवनाथ देवांगन के नाम पर अवैध रूप से सागौन की लकड़ी जमा कर फर्नीचर तैयार कर रहा था। सूचना मिलने पर दल्लीराजहरा वन विभाग और उड़नदस्ता टीम ने सर्च वारंट के साथ कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान मौके से 36 नग सागौन चिरान, 8 नग सागौन लठ्ठा, 1 नग बीजा लठ्ठा, 1 डायनिंग टेबल सेट, 2 सागौन सोफा, 1 दिवान, 1 सागौन चौखट और 2 दरवाजे बरामद किए गए। इसके साथ ही 2.233 घन मीटर सागौन लकड़ी और फर्नीचर निर्माण में प्रयुक्त मशीनें भी जब्त की गई हैं। दल्लीराजहरा रेंजर संतोष ठाकुर ने बताया कि जब्त की गई सामग्री की कुल अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपये आंकी गई है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है और संबंधित धाराओं के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रक्तदान शिविर का आयोजन, 75 लोगों ने किया रक्तदान

प्रधानमंत्री मोदी एवं भाजपा की वरिष्ठ नेत्री सरला कोसरिया के जन्मदिवस पर भाजपा मंडल बलौदा द्वारा आयोजन

सरायपाली (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी मंडल बलौदा द्वारा सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आज मंडल मुख्यालय बलौदा में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर विशेष रूप से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 वें जन्मदिवस और भाजपा की वरिष्ठ नेत्री, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष तथा वर्तमान में महिला आयोग की सदस्य सरला कोसरिया के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में संपन्न हुआ।

सेवा और समर्पण की मिसाल

शिविर में उत्साहजनक भागीदारी देखने को मिली और कुल 75 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। यह संख्या प्रधानमंत्री के 75 वें जन्मदिवस के अवसर को एक विशेष संदेश देता है कि 75 वर्ष - 75 रक्तदानी के रूप में यह आयोजन सेवा और समर्पण का अद्वितीय प्रतीक बन गया।

आयोजन में विशेष भूमिका और सहयोग

इस कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम प्रभारी पद्मिनी भोई ने किया। युवा कार्यकर्ता वेदव्यास साव ने युवाओं को प्रेरित करने में अग्रणी भूमिका निभाई। संगम सेवा समिति के संस्थापक प्रखर अग्रवाल का विशेष योगदान रहा।

साथ ही, भाजपा मंडल बलौदा के समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने विशेष सहयोग प्रदान करते हुए इस रक्तदान शिविर को सफल बनाया।

इसके अतिरिक्त, जिला पंचायत क्षेत्र की सदस्य कुमारी भास्कर की भी सक्रिय भूमिका रही, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्राथमिक शाला बंसुला में स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

बसना (समय दर्शन)। प्राथमिक शाला बंसूला मे शासन के आदेशानुसार स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें स्वच्छता शपथ, हाथ धुलाई, वाद विवाद, निबन्ध, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल के सभी बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। रंगोली प्रतियोगिता में भाग लेने वाले श्रद्धा प्रजापति, उर्मी साहू, मुस्कान दास, सोनम चौहान, भूमि नायक, खुशबू सेठ, सीमा साव, अंशिका बेलदार को पुरस्कृत किया गया। ये सभी कार्यक्रम अनिता साहू मैडम के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। सभी प्रतिभागियों को प्रधान पाठक प्रवीर कुमार बेहेरा, सीता साहू, पुष्पांजलि बगरती, संकुल समन्यवक गोवर्धन डडसेना ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की।

ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल में नवरात्री एवं विजयादशमी के उपलक्ष्य में विशेष गतिविधि आयोजित

जांजगीर (समय दर्शन)। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल बनारी, जांजगीर में संस्था के संचालक आलोक अग्रवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह जी के निर्देशन में दिनांक 27 सितंबर 2025 को नवरात्रि एवं विजयादशमी के उपलक्ष्य में संस्था प्रांगण में रंगा-रंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम विद्यालय प्रांगण को आकर्षक सजावट और रंग-बिरंगी झालरों से सजाया गया था। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने दुर्गा स्तुति और भजन प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कक्षा- नर्सरी से कक्षा-दूसरी के विद्यार्थियों ने रामायण पर आधारित नाट्य मंचन किया जिसमें भगवान राम, लक्ष्मण, सीता और रावण के पात्रों को बेहद जीवंत रूप से प्रस्तुत किया गया। साथ ही नन्हें-मुन्हें बच्चे माँ दुर्गा के नवरूप, राम, सीता, लक्ष्मण एवं रावण के रूपों में रैम्प वॉक करते हुए उत्साहित नजर आए। बाल-वाटिका की समस्त शिक्षिकाओं ने अपनी-अपनी कक्षाओं में दशहरा पर्व के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह त्योहार हमें सिखाता है कि चाहे बुराई कितनी भी बड़ी क्यों न हो, अंततः अच्छाई और सत्य की ही विजय होती है। उन्होंने बच्चों को रामायण से प्रेरणा लेकर जीवन में आदर्श, मर्यादा और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश

दिया। इसके अलावा समूह नृत्य, गरबा नृत्य साथ ही शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी अपनी प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'रावण दहन' की झांकी रही, जिसमें रावण दहन के पहले सभी नन्हें-मुन्हें बच्चों ने जय श्रीराम का नारा लगाते हुए रावण दहन किया, जिससे बच्चों को अच्छाई की बुराई पर विजय का संदेश प्राप्त हुआ। संस्था की प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह एवं संस्था संचालक श्री आलोक अग्रवाल जी द्वारा नवरात्री एवं विजयदशमी की विशेषता बताते हुए इन्हें मनाने के कारणों को बताया, साथ ही विजयदशमी की बधाई भी दी। कार्यक्रम संचालन श्रीमती सरिता प्रधान एवं समस्त बाल-वाटिका शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा किया गया। अंत में विजया दशमी की अग्रिम शुभकामनाओं के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालयः-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26